● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 311, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार , 30 दिसम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

हिमाचल सरकार ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करेगी: सुक्खू 5

जसप्रीत बुमराह ने पूरे किए 200 विकेट 6

एकता का महाकुंभ: समाज से नफरत और विभाजन खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर भी लोगों को जानकारी दी और संकल्प दिलाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जब हम कुंभ में भाग लें तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें।

उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। कुछ दिन पहले प्रयागराज गया था तो हेलीकॉप्टर से वहां चल रहीं तैयारियां देखकर खुश हो गया था। इतना विशाल, इतना सुंदर, इतनी भव्यता। महाकुंभ की विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता। कोई बड़ा नहीं होता, कोई छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य, विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता है। इसलिए ये हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। इस बार का महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को सशक्त करेगा। जब हम इसमें शामिल हों तो एकता के मंत्र को साथ लेकर वापस आएं।

पीएम ने कहा कि जब हम कुंभ में भाग लेंगे, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेंगे। कम शब्दों में कहूंगा कि महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश, महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश। दूसरे शब्दों में कहें तो गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल नेविगेशन की मदद से श्रद्धालु महाकुंभ 2025 में विभिन्न घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच सकेंगे। यही नेविगेशन सिस्टम पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में भी मदद करेगा। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के जरिये कुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। इस चैटबॉट से संदेश भेजकर कोई भी कैसी भी मदद मांग सकता है। पूरे मेला क्षेत्र को एआई संचालित कैमरों से कवर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान अगर कोई अपने परिजनों से बिछड़ जाता है तो ये कैमरे उसे ढूंढने में मदद करेंगे। श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की सुविधा भी मिलेगी।

श्रद्धालुओं को उनके मोबाइल फोन पर सरकार द्वारा स्वीकृत टूर पैकेज, आवास और होमस्टे की जानकारी दी जाएगी। आप भी महाकुंभ में जाएं तो इन सुविधाओं का लाभ उठाएं। साथ ही एकताकामहाकुंभ के साथ अपनी सेल्फी जरूर अपलोड करें।

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये सरकार प्रतिबद्ध : डॉ.यादव

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में जारी है पात्र व्यक्तियों का चिन्हांकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए जरूरतमंदों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रदेश में गांव और वार्ड स्तर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 26 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। अभियान अंतर्गत जहाँ एक ओर योजनाओं से वंचित नागरिकों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं का शिविर लगाकर निराकरण किया जा रहा है। अभियान में अब तक 7 हजार से अधिक शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। आम नागरिकों तक सीधे

पहुंचकर योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी अमला जरूरतमंदों का सर्वेक्षण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले एक वर्ष में सुशासन के प्रयासों से आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं को सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है। राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान के तीन चरण चलाये गये, जिसमें अभियान का तीसरा चरण प्रदेश में अभी चल रहा है। इसमें लाखों की संख्या में राजस्व संबंधी लंबित आवेदनों का निराकरण कर आमजन को राहत दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को गरीबी के कुचक्र से बाहर लाने के लिये अनेक योजनाएँ संचालित कर हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि गरीब परिवारों को नागरिक सेवाओं की पहुंच के दायरे में लाया जाकर उनकी आर्थिक क्षमता बढ़ाई जाये। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास वंचितों के जीवन में सुधार लाने की ठोस पहल की गई है, जिससे ज़रूरतमंदों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके।

प्रशांत किशोर ने गरमाया पटना का माहौल

बीपीएससी परीक्षार्थियों का हुजूम सीएम हाउस की ओर बढ़ा

पटना। जिला प्रशासन की ओर से कारण बताते हुए प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद रविवार को प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बीपीएससी परीक्षार्थियों का हुजूम पटना के गांधी मैदान में प्रदर्शन करने पहुंचा। जब यहां भी प्रशासन की नहीं चली तो यह हुजूम शाम होते-होते जेपी गोलंबर होते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर आगे बढ़ने लगा। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की पूरी आशंका दिख रही है, जबकि दूसरी तरफ पीके के नेतृत्व में हंगामा जारी है। बिहार लोकसेवा आयोग

की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन हो रहा है। प्रशांत किशोर की अगुवाई में अभ्यर्थी पटना के गांधी मैदान में जुटने वाले थे, तो जिला प्रशासन ने शनिवार को एक पत्र जारी करते हुए इसे प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बावजूद प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी गांधी मूर्ति के पास पहुंचकर धरना प्रदर्शन करने लगे। इसके बाद शाम के लगभग 5 बजे प्रशांत किशोर उन अभ्यर्थियों को लेकर मुख्यमंत्री आवास तक मार्च के लिए गांधी मैदान से आगे निकल गए। प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए भरी संख्या में पुलिस बल को उतारा गया है। भीड़ को जेपी गोलंबर के पास रोकने का प्रयास किया जा रहा है, क्योंकि डाकबंगला चौराहे तक पहुंचने पर पूरा शहर जाम में बुरी तरह फंस जाएगा।

मनमोहन की यमुना में विसर्जित की गईं अस्थियां, एक जनवरी को होगा अखंड पाठ का आयोजन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सिख रीति-रिवाजों के साथ मजनू का टीला गुरुद्वारे के पास यमुना नदी में विसर्जित की गईं। सिंह के परिवार के सदस्यों ने रविवार सुबह निगमबोध घाट से अस्थियां एकत्र कीं और बाद में उन्हें गुरुद्वारे के पास यमुना नदी तट पर अष्ट घाट पर ले जाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, उनकी तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह व अन्य रिश्तेदार विसर्जन स्थल पर मौजूद रहे।

हवाई अड्डा परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन पर जोर : फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य में हवाई कनेक्टिविटी में सुधार के लिए हवाईअड्डा परियोजनाओं और मौजूदा हवाईअड्डों के विस्तार में तेजी लाई जानी चाहिए। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में उनके हवाले कहा गया है कि राज्य में हवाई कनेक्टिविटी में सुधार की काफी गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि हवाई कनेक्टिविटी में सुधार के लिए राज्य सरकार और केंद्र हर संभव सहायता प्रदान करेंगे।

इसके अलावा उन्होंने महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (एमआईटीआरए) पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि

एमआईटीआरए को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को बढ़ावा देने में एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करना चाहिए ताकि राज्य देश में अग्रणी होने की अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखे। सीएम फडणवीस ने महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास कंपनी (एमएडीसी) के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि केंद्र सरकार की नागरिक उड्डयन योजनाओं के अलावा, हवाई अड्डों के विकास और मौजूदा हवाई अड्डों के विस्तार के लिए राज्य निधि के उपयोग पर भी जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों में हवाई अड्डों पर भार कम करने के लिए एमएडीसी को युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू करनी चाहिए।

सीएम फडणवीस ने रत्नागिरी, शिरडी, अमरावती (बेलोरा), पुरंदर, कराड, चंद्रपुर (मोरवा), सोलापुर, धुले, फलटन, अकोला और गढ़चिरौली में चल रही हवाईअड्डा परियोजनाओं की भी समीक्षा की। इसके साथ ही, उन्होंने जीएमआर नागपुर के लिए 786.56 हेक्टेयर भूमि से संबंधित एमओयू पर चर्चा की, जिसमें मिहान क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भी शामिल है।

इस साल जम्मू-कश्मीर में 75 आतंकी ढेर

श्रीनगर। भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। 2024 में सुरक्षाबलों ने जितने आतंकियों को मारा है, उसमें 60 फीसदी पाकिस्तानी थे। सैन्य अधिकारी के मुताबिक आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही पाकिस्तानी सेना आतंकवादी ढांचे का समर्थन करने से बाज नहीं आ रही। सेना ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों में आतंकियों की स्थानीय भर्ती बहुत कम है। इस साल केवल चार स्थानीय लोग इन समूहों से जुड़े हैं। इस साल अब तक 75 आतंकियों को मार गिराया है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर व्यावसायिक उड़ान का हुआ परीक्षण

अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से होगा चालू

मुंबई। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से चालू हो जाएगा और 17 अप्रैल को इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। ये जानकारी अदाणी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को साझा किया है। इससे पहले दिन में, निर्माणाधीन नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे 26/08 पर इंडिगो ए320 यात्री विमान सफलतापूर्वक उतरा, जिससे वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए हवाई अड्डे का लाइसेंस हासिल करने का रास्ता साफ हो गया। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के सीईओ अरुण बंसल ने पहले नागरिक यात्री विमान के सफल परीक्षण के बाद मीडिया से कहा, हमारी कोशिश 17 अप्रैल तक हवाई अड्डे का वाणिज्यिक उद्घाटन करने की है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू परिचालन मई के दूसरे पखवाड़े से शुरू होगा क्योंकि उद्घाटन उड़ान के बाद कुछ प्रक्रियाओं का पालन करना होगा जिसमें लगभग चार सप्ताह का समय लगेगा।

जेजू एयर के सीईओ ने हादसे के लिए मांगी माफी, 179 लोगों के मारे जाने की आशंका

सियोल। दक्षिण कोरिया में हुए भीषण विमान हादसे को लेकर एयरलाइंस जेजू एयर के सीईओ ने माफी मांगी है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर ये माफी पोस्ट की गई है। जेजू एयर के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) किम ई-बे ने मुआन हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हम भी संबंधित सरकारी एजेंसी की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। किम ई-बे ने माफीनामे में लिखा कि सबसे पहले, हम उन

सभी लोगों से माफी मांगते हैं जिन्होंने जेजू एयर पर भरोसा किया। 29 दिसंबर को सुबह लगभग 9:03 बजे, बैंकॉक से मुआन जाने वाली फ्लाइट 7C2216 में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय आग लग गई। हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और माफी मांगते हैं। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, और हमें जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। कारण चाहे जो भी हो, सीईओ के रूप में, मैं इस घटना के लिए गहरी जिम्मेदारी महसूस करता हूं। जेजू एयर इस दुर्घटना को तुरंत संभालने और उसमें सवार लोगों के परिवारों का समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। हम सरकार के साथ मिलकर दुर्घटना के कारण का पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। एक बार फिर हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना करते हैं और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी क्षमा याचना करते हैं।

मनीष सिसोदिया का शिक्षा घोषणा पत्र जारी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पहचान शिक्षा के क्षेत्र में कुछ बेहतर करने वाले नेता की रही है। अब जब वे अपना चुनाव क्षेत्र पटपड़ गंज से बदलकर जंगपुरा कर चुके हैं, तब भी एक बार फिर से उन्होंने अपने शिक्षा मॉडल को ही अपना मूल चुनावी मंत्र बनाया है। आज उन्होंने जंगपुरा के लिए अपने शिक्षा मॉडल की घोषणा कर दी।

सिसोदिया ने दावा किया है कि चुनाव जीतने पर वे अपने चुनाव क्षेत्र में सराय काले खां और हजरत निज़ामुद्दीन में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जाएंगे। सरकारी स्कूलों की तरह ही उनके विधानसभा क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं दी जाएंगी। निजी स्कूलों को मनमाने तरीके से फीस नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। सिसोदिया की यह घोषणा लोगों के बीच लोकप्रिय हो सकती है क्योंकि बच्चों के स्कूलों की महंगी फीस से हर अभिभावक परेशान है।

शिक्षा घोषणा पत्र जारी करते हुए सिसोदिया ने कहा कि उनका ट्रैक रिकॉर्ड शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का रहा है।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति की कोशिश निराशाजनक

गुवाहाटी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्मारक को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर विवाद खड़ा कर रही है। यह बेहद निराशाजनक है। जबकि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का एलान किया है।

असम के सीएम सरमा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने अपनी विरासत की उपेक्षा की है। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव हों या पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी।

महाकुंभ में श्रमिकों के बच्चे कर रहे स्मार्ट पढ़ाई

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में 2025 के महाकुंभ की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रयागराज ही नहीं प्रदेश और देश के अलग-अलग राज्यों से हजारों श्रमिक महाकुंभ को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मेला क्षेत्र के चप्पे-चप्पे में साफ-सफाई का इंतजाम हैं। इन सफाई कर्मियों के साथ इनके बच्चे भी मेला क्षेत्र में रह रहे हैं। इन बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो इसका भी इंतजाम इस कुंभ में किया गया है। श्रमिकों के बच्चों के लिए मेला क्षेत्र में ही अस्थाई स्कूल बनाए गए हैं। शुरुआत में इस तरह के पांच विद्या कुंभ प्राथमिक विद्यालय बनाए गए हैं। अब शिक्षा विभाग इन्हें और बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। जिससे जहां सफाईकर्मियों के रहने का इतंजाम किया गया है वहीं, उनके बच्चों के पढ़ने का इंतजाम रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग की इस पहल को शिव नाडर संस्थान का भी सहयोग मिल रहा है। इन स्कूलों में कक्षा एक से कक्षा पांच तक के बच्चों को पढ़ाई का इंतजाम किया गया है। बच्चे पढ़ने में रुचि लें इसके लिए स्मार्ट क्लास भी बनाए गए हैं। इन स्मार्ट क्लास में बच्चों को ऑडियो-विजुअल माध्यमों से सिखाया जा रहा है।

कड़ाके की ठंड के साथ होगा नए साल का स्वागत

उत्तर भारत में चलेगी शीतलहर, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली

इस बार नए साल में सर्दी का सितम सताएगा। मौसम विज्ञान विभाग ने नए साल में उत्तर भारत में शीतलहर, बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कहा है कि 30 दिसंबर से दो जनवरी तक हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ इलाकों में तेज शीतलहर चल सकती है।

मौसम विभाग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में तेज शीतलहर चलने की संभावना है। चहीं जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में भी शीतलहर की स्थिति बन रही है।

उत्तर प्रदेश में गिरेगा तापमान

मौसम विभाग ने कहा है कि 29 दिसंबर को पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में तापमान में गिरावट आएगी। आईएमडी के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यूपी में रविवार से मौसम साफ होगा और अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में तीन से छह डिग्री तक की गिरावट आएगी। हालांकि पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश में जारी रहेगी बर्फबारी

मौसम विभाग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में रविवार सुबह तक हल्की बारिश और मध्यम बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। पूर्वोत्तर-चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी के उत्तरी भागों, लाहुल-स्पीति, किन्नौर और सिरमौर जिलों के उत्तरी भाग में भारी बारिश या बर्फबारी की संभावना है। इसके साथ ही सोमवार से हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में शीतलहर, घना कोहरा हो सकता है। शिमला और उसके आसपास बारिश जारी रह सकती है।

दिसंबर में दिल्ली में सबसे ज्यादा बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे में 41.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 101 वर्षों में दिसंबर में एक दिन में सबसे अधिक है। 3 दिसंबर, 1923 को 75.7 मिमी बारिश हुई थी। 1901 में रिकॉर्ड दर्ज किए जाने के बाद से इस दिसंबर में मासिक वर्षा के मामले में पांचवीं सबसे अधिक बारिश है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रविवार को ऑरेंज अलर्ट और दो दिन बाद येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही कोहरे की संभावना जताई है।

जिलाध्यक्षी की दौड़ में कई नामचीन चेहरे, भोपाल व दिल्ली में डाले डेरा

संगठन के पास पहुंचे एक दर्जन से ऊपर नाम, कई दाग तो कई बेदाग

सिंगरौली। भाजपा सिंगरौली जिलाध्यक्षी को लेकर काफी कशम कश दिखाई दे रहा है। जिलाध्यक्ष की दौड़ में कई नामचीन चेहरे सामने आ रहे हैं जो सिंगरौली जिलाध्यक्ष बनने के लिए भोपाल व दिल्ली में डेरा डाल दिया है वहीं संगठन के पास एक दर्जन से ऊपर नाम की सूची पहुंच गई है कई तो दाग है और कई बेदाग। अब यह देखना है कि किसका पड़ला भारी पड़ता है।

गौरतलब हो कि मध्य प्रदेश में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही जिलाध्यक्ष पद का भी चुनाव होना है ऐसे में जिला अध्यक्ष पद के लिए की जा रही इस जोर आजमाइश के लिए आखिर कौन से वह नाम है जो पहले से ज्यादा अब सक्रिय नजर आ रहे है सिंगरौली प्रदेश के लिए एक खास स्थान है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली में जिला अध्यक्ष बनाने की बड़ी चुनौती है क्योंकि राजनीतिक गलियारों में हो रही चर्चाओं की माने तो भोपाल में हाल ही में हुई बैठक में बूथ समितियां की गठन से लेकर और मंडल स्तर पर होने वाले चुनाव व जिलाध्यक्ष तय करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई थी। बूथ समिति अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद जिलाध्यक्षों के निर्वाचन पर सबकी नजर है। इस पर संभावना जताई जा रहा है कि अगले तीन से चार दिनों में जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां हो जाएगी। इसके लिए प्रभारी अपनी जिम्मेदारी और संगठन द्वारा तय की गई भूमिका के मुताबिक जिलाध्यक्षों के चयन में सक्रिय हैं। सूत्रों की बातों पर गौर करें तो जिलाध्यक्ष के लिए सांसद और विधायक के अलावा मंडल अध्यक्ष नगरीय निकाय प्रतिनिधियों से भी जिलाध्यक्ष के लिए सहमत मांगी गई थी। सभी की सहमत के बाद भोपाल संगठन के पास एक दर्जन नाम पहुंचे हुए हैं। बताया जाता है कि जिलाध्यक्ष के लिए दिल्ली से चयन होगा। राजनीति से जुड़े लोग बताते हैं कि जिलाध्यक्ष की रेस में संतोष वर्मा, सुरेंद्र बैस, प्यारेलाल चतुर्वेदी, विनोद चौबे खड़ौरा, अरविंद दुबे, राजेश तिवारी रज्जू, पूनम गुप्ता के अलावा कई नाम संगठन के पास पहुंचे हुए हैं। अब यह देखना है कि हाई कमान किस नाम पर निर्णय लेता है।

लोस चुनाव में दिया था झटका

भाजपा से जुड़े लोगों की बातों पर गौर करें तो लोकसभा चुनाव में सुरेंद्र बैस काफी नाराज चल रहे थे। बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव में उनके खास को टिकट नहीं मिला था। जिसके चलते जिलाध्यक्ष को त्यागपत्र भी दिया था ऐसा सूत्र बताते हैं। इधर खुद जिलाध्यक्ष के लिए दावेदारी कर रहे हैं। कई ऐसे नाम है जो चुनाव के समय भाजपा को ही झटका देने में लगे थे फिर भी उन्हीं के इशारे पर कहीं न कहीं संगठन राह चलते हुए दिखाई दे रहा है।

सिंगरौली संगठन में ही कस्मकश

भाजपा से ही जुड़े लोग बताते हैं कि भाजपा सिंगरौली संगठन में काफी कस्म कश का दौर चल रहा है कहा तो अभी जा रहा है कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव में भी प्रदेश के ही नेता का चला है और जिलाध्यक्ष में भी उन्हीं के खासमखास जोर अजमाईश कर रहे हैं अब यह देखना है कि संगठन काम करने वाले को मौका देता है या फिर खासमखाश को मौका मिलता है। अगर ऐसा हुआ तो पार्टी में ही विरोध के स्वर निकाल सकते हैं।

प्रदेश उपाध्यक्ष के तीन समर्थक

भाजपा से जुड़े सूत्र बताते हैं सिंगरौली भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए भले ही एक दर्जन से ऊपर नाम भोपाल और दिल्ली गए हो, लेकिन तीन नामो की चर्चा काफी हो रही है। भाजपा से जुड़े सूत्र बताते हैं कि सिंगरौली से संतोष वर्मा, प्यारेलाल चतुर्वेदी और सुरेंद्र बैस प्रदेश उपाध्यक्ष के खास है। ऐसे में यही कयास लगाए जा रहे हैं कि हाई कमान खुद निर्णय लेगी या फिर प्रदेश उपाध्यक्ष का चलेगा। इधर बताया जाता है कि भाजपा में जिलाध्यक्ष के लिए गाइडलाइन भी जारी की है जिसमें सांप कहा गया है कि 60 वर्ष से ऊपर उम्र नहीं होनी चाहिए और अपराधिक प्रकरण ना दर्ज हो साथ ही संगठन में किसी पद पर हो। अब यह देखना है कि पार्टी किसे मौका देगी।

मिनी आंगन बाड़ी केंद्रों के उन्नयन में सीडीपीओ ने सुविधा शुल्क लेने का बना रहे कार्यकर्ताओं पर दबाव

सिंगरौली। विकास खंड चितरंगी अंतर्गत महिला बाल विकास परियोजना चितरंगी क्रमांक 1 ,2 में संचालित मिनी आंगन बाड़ी केंद्रों को राज्य शासन ने आंगन बाड़ी केंद्रों के तब्दील करने का आदेश जारी किया गया है। जो प्रक्रिया प्रचलन में है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला बाल विकास परियोजना चितरंगी क्रमांक 2 के सीडीपीओ का प्रभार परियोजना क्रमांक 1 का भी है। इनके द्वारा आज मिनी आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओ को परियोजना कार्यालय में बुलाया गया है। और इनसे उन्नयन करने के बदले सुविधा शुल्क की मांग की जा रही है। जबकि राज्य शासन द्वारा उन्नयन करने के आदेश है। तो इनको कार्यालय में बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी। जब इनकी नियुक्ति मिनी आंगन बाड़ी कार्यकर्ता के लिए हुई तो समस्त दस्तावेज कार्यालय के पद स्थापना में जमा है। सीडीपीओ द्वारा दर कर धमाका कर पैसा लेने का दबाव बनाया जा रहा है। कुछ आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओं ने नाम प्रकाशित नहीं करने के शर्त पर समस्त जानकारी मीडिया से शेयर किया है। आवश्यकता अनुसार उनके बयान को सुरक्षित रखा गया है। सीडीपीओ चितरंगी 10 वर्षों से अंगद की पांव के तरह जमा कर बैठे है। चितरंगी विकास खंड आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। इनके द्वारा बात बात में नोटिस जारी कर डरा धमाका कर भेजा वसूली की जाती है। परियोजना कार्यालय चितरंगी क्रमांक 1 में सभी पर्यवेक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। मेडिकल ऑफिसर के द्वारा मेडिकल रिपोर्ट में बेडरेस्ट लिखने के बाद भी इनके द्वारा नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। इस सीडीपीओ से आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सहित पर्यवेक्षक सभी इनके क्रियाकलाब से तंग हो कर मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षण कराया है कि महिला कार्यकर्ताओं का शोषण सीडीपीओ द्वारा किया जा रहा है संज्ञान में ले कर उचित कार्यवाही किया जाए।

मजदूरों का मजदूरी भुगतान नही कर रहे सरपंच,सचिव

सिंगरौली। जनपद पंचायत देवसर के ग्राम पंचायत भरसेड़ा में भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। वहां के कई कार्यों का मजदूरी भुगतान रुका हुआ है। सरकार द्वारा ग्रामीणों को उनके गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मजदूरों के लिए कई योजनाएं चला रखी है। उन्ही में से एक रोजगार गारंटी योजना है। रोजगार गारंटी योजना के तहत प्रत्येक गरीब परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन का रोजगार देने का प्रावधान है। लेकिन सरकार के ही कुछ नुमाइंदे इसमें काफी हेरा फेरी कर रहे हैं। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत देवसर अंतर्गत ग्राम पंचायत भरसेड़ा में देखने को मिल रही है।

शुभ संयोगों में शुरू हो रहा है नववर्ष 2025 : डॉ. एनपी

यह वर्ष हर किसी के लिए मंगलकारी सिद्ध होने वाला है

सिंगरौली। इस बार अंग्रेजी नववर्ष बेहद ही शुभ संयोग में शुरू होने वाला है। कई ग्रहों के गोचर से कई शुभ संयोग बनेंगे। ऐसे में वर्ष 2025 कई राशियों के लिए बेहद शुभ साबित होने वाला है। ज्योतिषविद् पंडित डॉ. एनपी मिश्र महाप्रबंधक शिवधाम मंदिर बैढ़न के अनुसार 1 जनवरी 2025 तदनुसार शुभ संवत 2081 शाक 1946 पौष शुक्ल पक्ष द्वितीया बुधवार को उत्तराषाढ़ नक्षत्र, हर्षण योग, शिववास योग, बालव और कौलव योग का शुभ संयोग बन रहा है। जो सुख समृद्धि और तरक्की के लिए बेहद कारगर माने जा रहे हैं। 1 जनवरी को ही द्वितीया तिथि, उत्तरा आषाढ़ नक्षत्र और हर्षण, शिव वास, बालव और कौलव योग बनने जा रहे हैं। इसके अलावा साल भर भी ग्रहों का राशि परिवर्तन जारी रहेगा। इसका असर सभी राशि वालों पर पड़ेगा। इन शुभ योग के बीच नए साल का आनाा ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ज्योतिषविद् पंडित डॉ. एनपी मिश्र ने बताया कि इस बार नए साल का आरंभ बुधवार से हो रहा है। यह दिन भगवान गणेश को समर्पित है जो सभी देवताओं में प्रथम पूज्य हैं। ऐसे में यह वर्ष हर किसी के लिए मंगलकारी सिद्ध होने वाला है। यह संयोग कई वर्षों बाद बना है। ऐसे में इस बार का नया साल और खास हो गया है। सप्ताह का हर दिन अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित है। ज्योतिष के अनुसार 2025 की शुरुआत में मालव्य और केंद्र त्रिकोण राजयोग का निर्माण होगा। यह राजयोग शुक्र के 27 जनवरी को मीन राशि में गोचर से बन रहा है। इसके साथ वर्ष 2025 दो बड़े प्रभावशाली ग्रह शनिदेव व गुरु राशि परिवर्तन करेंगे। नए साल की शुरुआत हर्षण, शिववास, बालव और कौलव योग से होने से कुछ राशि वालों के लिए 2025 शुभ रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उत्तम समय रहेगा। प्रतियोगिता में अधिक से अधिक लोग लाभान्वित होंगे और नौकरी के उत्तम योग भी बनेगा। शिक्षा अच्छी मिलेगी और शिक्षा में सभी बच्चों की विशेष रुचि भी 2025 में बहुत अधिक रहेगी। नौकरी की बात करें तो नौकरी में जैसे प्राइवेट सेक्टर या सरकारी सेक्टर है। दोनों में विशेष भर्तियां होंगी।

ब्राजील व अर्जेंटीना की चर्चित स्टार सिंगरौली मे मचाएगी धूम

सनातन मंच आया आमने-सामने, किया विरोध

सिंगरौली। नये साल के आगमन एवं वर्ष 2024 के बिदाई को लेकर समारोह के आयोजक एवं सनातन मंच आमने-सामने आ गये हैं। सनातन मंच ने खुले तौर पर कह दिया है कि विदेशी डांस नही होने दिया जाएगा। इस बात को लेकर अब शहर के कई प्रबुद्धजन भी सनातन मंच का भी समर्थन करने लगे हैं।

जिला मुख्यालय के समीप आगामी 31 दिसंबर की रात होने वाले कार्यक्रम का सनातन मंच ने विरोध किया है। आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सनातन मंच के कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसा अश्लील और फूहड़ कार्यक्रम सिंगरौली में नहीं होने देंगे। कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ प्रशासन से शिकायत करने की बात भी कही गई है। मंच के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही विजय लक्ष्मी शुक्ला ने कहा कि यह हमारी संस्कृति के खिलाफ है। सिंगरौली श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि है और यहां हम ऐसे फूहड़ और अश्लील कार्यक्रम किसी भी हालत में होने नहीं देंगे सनातन प्रेमी मंच इसका पुरजोर तरीके से विरोध करेगा। यहां आपको बता दें कि जिले में 31 दिसंबर की रात 7 से काउंट डाउन 2025 के नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अलोहाना जो ब्राजील की मॉडल हैं। उनके साथ पडिल्ला जो अर्जेंटीना की चर्चित स्टार हैं। वह सिंगरौली आकर परफॉर्म करने वाली है। इस कार्यक्रम में कॉकटेल का भी इंतजाम किया गया है। कार्यक्रम के शहर भर में पोस्टर बैनर लगाए गए हैं और इस कार्यक्रम में बकायदे एंट्री फीस भी रखी गई है। सनातन मंच इस पूरे कार्यक्रम को रद्द करने की मांग कर रहा है। सनातन मंच के बैनर तले कड़े शब्दों में कहा है कि ऐसे कार्यक्रम में जिले में कतई नही होने दिया जाएगा। हम अपने संस्कृति एवं सभ्यता को समाप्त नही होने देंगे।

जीरो डोज बच्चों और पूर्ण टीकाकरण पर रखे विशेष फोकस : डॉ.पंकज

शहरी क्षेत्र में टीकाकरण के शुद्धिकरण के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

सिंगरौली। जैतपुर स्थित संजीवनी क्लिनिक में शहरी क्षेत्र में टीकाकरण के शुद्धिकरण के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य टीकाकरण से संबंधित जानकारी का प्रसार और शहरी क्षेत्र में इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाना था। कार्यशाला में जीएव्हीआई एचएसएस 3, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, टीकाकरण से संबंधित बीमारियां और क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका पर चर्चा की गई। साथ ही टीकाकरण के लिए इंटर पर्सनल कम्युनिकेशन आईपीसी के महत्व, लेफ्ट आउट, ड्रॉप आउट, रेजिस्टेंस और हेजिटेंस परिवारों के समाधान तथा जीरो डोज बच्चों और पूर्ण टीकाकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में ननि अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, वार्ड पार्षद शत्रुध्न लाल शाह, संजय सिंह, आशीष वैश्य, पूर्व पार्षद अलखराम बैस तथा स्वास्थ्य विभाग से सुधांशु मिश्रा, एनएचएम आशीष कुमार पाण्डेय, मनीष गर्ग सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष एवं सदस्य, सीएचओ, क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्ति और अन्य स्थानीय नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी की।

इस कार्यशाला के माध्यम से टीकाकरण कार्यक्रम के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने और समाज के हर वर्ग तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

रोमांचक मैच में प्रयाग ट्रेडर्स देवसर की टीम 2 रन से हुई विजयी

सिंगरौली। उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में चांद्रायण हर्बल एंड फूड प्रा.लि. जबलपुर द्वारा आयोजित तथा देवेन्द्र नाथ चतुर्वेदी के संरक्षण में डीसीएल टी-20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 19 का आठवां मैच विंध्य इलेवन हनुमानगढ़ और प्रयाग ट्रेडर्स देवसर के बीच मैच खेला गया। मैच के मुख्य अतिथि निलेश चतुर्वेदी सरपंच पुरवा रहे। मैच में प्रयाग ट्रेडर्स देवसर की टीम 2 रन से विजयी हुई । आज के विजयी टीम के ऑनर चंदन मेडिकल स्टोर तथा हारने वाले टीम के ऑनर राकेश पाठक थे एवं आशुतोष चतुर्वेदी। वही प्रयाग ट्रेडर्स देवसर 20 ओभर में 8 विकेट खोकर 200 रन बनाई। जवाब में विंध्या इलेवन टीम 7 विकेट खोकर 198 रन बना पाई। रोमांचक मुकाबले में 2 रन से प्रयाग टीम विजयी हुई। मैन आफ द मैच रवि यादव को दिया गया। जहां उन्होने 12 रन का योगदान दिया था और 4 विकेट भी लिया था। मैच के एंपायर एडीव्ही दिनेश कुमार द्विवेदी, प्रवेश द्विवेदी, मैच कमेंटरर ठाकुर हरेंद्र सिंह सहित अन्य शामिल रहे।

विस्थापित पीड़ित को हक दिलाने शिवसेना व फौजी सेवा संगठन हुआ मुखर

सिंगरौली। बीते दिवस तेलगवां शाहपुर निवासी महेंद्र प्रसाद दुबे एनटीपीसी विंध्य नगर से विस्थापित है। उनकी समस्या को लेकर शिवसेना जिला कार्यालय पर जिला प्रमुख रामदयाल पाण्डेय की मौजूदगी में हरि गोविंद पाण्डेय के अध्यक्षता में कई कार्यकर्ताओं एवं आम जनों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। जहां पीड़ित व्यक्ति के लिए सैकड़ो लोगों के साथ फौजी सेवा संगठन का भी समर्थन प्राप्त हो रहा है। बता दें कि बीते दिनों महेंद्र प्रसाद दुबे ने एनटीपीसी विंध्यनगर परियोजना को पत्र सोंपा था जिसकी प्रतिलिपि जिला कलेक्टर एएसपी एवं विंध्यनगर थाना की ओर प्रेषित किया गया था। महेंद्र प्रसाद दुबे एनटीपीसी विंध्यनगर परियोजना के प्रथम चरण के भू-विस्थापित व्यक्ति हैं । विंध्यनगर परियोजना के स्टेज वन मॉ कुशवाहा इंटरप्राइजेज प्रोपराइटर रमेंश कुमार कुशवाहा की एजेंसी में सुपरवाइजर के पद पर कई वर्षों से काम कर रहे थे एवं अन्य कंपनियों में भी कार्य किए थे लेकिन उक्त कंपनी द्वारा इनको काम से निकाल दिया गया एवं वेतन नहीं दिया गया। ऐसा इनका पत्र के माध्यम से आरोप लगाया है। जिसको लेकर के आज दिनांक तक यह परिवार के जीवको पार्जन हेतु दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हो गए हैं । जहां इन्होंने अपनी समस्या को लेकर शिवसेना जिला प्रमुख एवं फौजी सेवा संगठन जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार पाण्डेय से मिलकर अपनी पीड़ा को व्यक्त किया। जहां उनकी इस पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रमुख रामदयाल पाण्डेय शिवसेना एवं फौजी सेवा संगठन के अध्यक्ष सुरेश पाण्डेय अपना खुला समर्थन दिया है।

खुले आसमान के नीचे चल रही गौशालाएं, मवेशियों को चारा-भूसा के पड़ रहे लाले, जिम्मेदार भी बने हैं अंजान

सिंगरौली। जिलेभर में गौ वंश की रक्षा के लिए पंचायत के द्वारा गौशाला का निर्माण कार्य कराया गया। ताकि मवेशियों को निश्चित स्थान पर रखा जाए और उन्हें खाने-पीने की व्यवस्था की जाए। लेकिन सरकार की मंशा पर पंचायत पानी फेर रहे हैं। कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे मवेशियों को रखा जा रहा है और इन मवेशियों को न तो पानी मिल पा रहा है न ही घास भूसा। जबकि इसके बदले में गौशालाओं के नाम पर जमकर लीपा पोती का खेल खेला गया है। मध्य प्रदेश सरकार गौवंश रक्षा के लिए गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए गौशालाओं को प्रोत्साहित कर रही है। यहां तक की सरकार अनुदान देने का भी फैसला किया है। यही वजह है कि जिलेभर में कई गौशालाएं जिला पंचायत के द्वारा पंचायतो को जिम्मेदारी दी गई थी कि मनरेगा के तहत गौशाला का निर्माण कार्य कराया जाए ताकि सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को पनाह मिल जाए इसके अलावा किसानो की जो फैसले इन मवेशियों के द्वारा नुकसान की जा रही थी उसे बचाया जा सके। यहां तक की मध्य प्रदेश सरकार को वंश रक्षा पर्व भी मनाया जा रहा है ताकि लोग गौ वंश की रक्षा कर सके। यही वजह है कि सरकार गौशालाओं को लेकर काफी फोकस कर रही है। सिंगरौली जिले की बात की जाए तो जिला पंचायत सिंगरौली द्वारा जिले भर की पंचायतो को गौ वंश की रक्षा के लिए गौशाला निर्माण की जिम्मेदारी सौंप गई थी बताया जाता है कि जिले के अधिकांश पंचायतो में गौशाला का निर्माण कार्य कराया गया है। इन गौशालाओं में गांवो में घूम रहे आवारा मवेशियों को पनाह देना था। इसके लिए सरकार मनरेगा के तहत पर्याप्त बजट भी उपलब्ध करा रही है। इन गौशालाओं में गौ वंश की देख- रेख के लिए गौ सेवक भी रखे गए थे। लेकिन जिले में गौशालाओं की देखरेख भगवान भरोसे चल रही है बताया जाता है कि गौशालाओं में जो मवेशी रखे गए हैं उनके लिए पर्याप्त चारा भूसा की व्यवस्था नहीं की गई है। यहां तक की पानी पीने की व्यवस्था नहीं है और खुले आसमान के नीचे इस कडाके की ठंड में रखे जा रहे हैं यही वजह है कि कई मवेशियों की मौत हो गई है। इनको गौ शालाओं की निगरानी जिला पंचायत के द्वारा किया जाना था लेकिन जिला पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी गौशालाओं को लेकर संजीदा दिखाई नहीं दे रहे है।

खुरमुचा में खुले आसमान के नीचे मवेशी

सूत्रों की बातों पर गौर करें तो जिले भर में बनाई गई गौशाला की स्थिति को देखने की जहमत जिला पंचायत के अधिकारी नहीं जुटा पाए बताया जाता है कि विकासखंड चितरंगी के ग्राम पंचायत खुरमुचा और कोरसर कोठार के अलावा जिले में कई ऐसी गौशालाएं हैं जो खुले आसमान के नीचे है यहां पर टीन शेड की व्यवस्था नहीं की गई है। जबकि इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है और जिले में बीते शनिवार को हुई बारिश से ठंड और बढ़ गई है इसके बावजूद इन मवेशियों को ठंड से बचाने की व्यवस्था नहीं की गई है। सूत्र तो यह भी बताते हैं कि इन मवेशियो को चारा भूसा की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में कहीं न कहीं सरकार की मंशा पर जिला पंचायत के अधिकारी पानी फेरते नजर आ रहे हैं।

जिम्मेदारों को होना चाहिए गंभीरः तिवारी

समाजसेवी और अधिवक्ता एचपी तिवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने जो फैसला गौवंश की रक्षा के लिए चलाया है यह काबिले तारीफ है। गौवंश के लिए सरकार ने पशुपालकों के लिए भी अनुदान दे रही है। लेकिन अभी तक जो जिले में पंचायतो के द्वारा गौशाला बनाया गया है इन गौशालाओं में पर्याप्त चारा भूसा की व्यवस्था के साथ पानी पीने और टीन शेड की व्यवस्था नहीं की गई है। ठंडी का मौसम चल रहा है खुले आसमान के नीचे मवेशियो को रखा जा रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए ताकि व्यवस्था में सुधार हो सके।

देव फिर बनेंगे अध्यक्ष या फिर दूसरों को मिलेगी कमान

भोपाल से दिल्ली तक अध्यक्षी को लेकर सिफारिशों का दौर शुरू

सीधी। जिले में अध्यक्ष के चयन को लेकर सिफारिशों का दौर अब भोपाल से दिल्ली तक पहुंच गया है। स्थिति यह है कि सांसद-विधायक अपने चहेतों को अध्यक्ष बनाने के लिए काफी प्रयासरत हैं। ऐसे में वर्तमान अध्यक्ष देवकुमार सिंह को फिर से अध्यक्ष की कमान मिलेगी या फिर दूसरों को मौका मिल सकता है इसके लिए शीर्ष नेताओं के पास सिफारिशों का दौर लगातार जारी है।

मालूम हो कि जिला अध्यक्ष का चुनाव को लेकर अब अंतिम समय आ गया है। देवकुमार सिंह अध्यक्ष रहे हैं। उनके कार्यकाल में लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव भी हुआ है। जिसमें कि उनका कार्यकाल भी संतोषजनक रहा है। इसके बाद अब उन्हें अध्यक्षीय की कमान मिलेगी या दूसरों को मौका मिलेगा यह तो पार्टी हाईकमान तय करेगी। लेकिन स्थितियां जो निर्मित हो रही हैं उससे यह माना जा सकता है अध्यक्ष की कमान अब किसे मिलेगा। नए साल में किसे अध्यक्ष के रूप में ताज पहनाया जाएगा यह आने वाला समय बताएगा।

क्षत्रिय एवं ब्राम्हण वर्ग से भी कई नेता हैं दावेदार

देखा जाए तो क्षत्रिय वर्ग से वर्तमान अध्यक्ष देवकुमार चौहान तो दावेदार हैं ही इसके अलावा धर्मेन्द्र सिंह परिहार, जीतेन्द्र सिंह चौहान दक्षिण करौंदिया, लवकेश सिंह गहरवार सहित अन्य नाम शामिल हैं। वहीं ब्राम्हण वर्ग से पूर्व भाजपा अध्यक्ष केके तिवारी, डॉ. देवेन्द्र त्रिपाठी, विश्वबंधुधर द्विवेदी, संदीप द्विवेदी रिंकू, धर्मेन्द्र शुक्ला सहित कई नाम शामिल माने जा रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग भी मानते हैं कि मिलेगी अध्यक्षी की कमान

जब तक भाजपा का नया जिला अध्यक्ष नहीं बनेगा तब तक हर वर्ग मान रहे हैं कि हमें इस बार अध्यक्ष की कमान मिल सकती है। ऐसे में पिछड़ा वर्ग भी मान रही है कि अध्यक्ष की कमान मिलेगी। अब यह पार्टी नेता तय करेंगे कि पिछड़ा वर्ग को कितना महत्व मिलेगा। इस बार सामान्य वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के बीच ही अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया होना माना जा रहा है। वहीं महिला वर्ग से भी उम्मीद की जा रही है कि अध्यक्ष की कमान मिल सकती है।

धर्मेन्द्र शुक्ला भी हैं भाजपा अध्यक्ष के दावेदार

भाजपा मंडल के चुनाव होने के बाद जिला अध्यक्ष चुनाव की सरगर्मी लोगों के चर्चा का विषय बनी हुई है। भाजपा के अपने-अपने गुट के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जिला अध्यक्ष के पद को लेकर घोषणा होनी बांकी है। लेकिन अभी भी अपने-अपने उम्मीदवारों के प्रयास में लगे हुए हैं। जिले में भाजपा के अध्यक्ष को लेकर उठापटक चल रही है। भाजपा ऐसी पार्टी है जो कि हर तबके के लोगों को साथ लेकर चलती है। ऐसे में पहली बार विधायक बनीं चितरंगी विधायक राधा सिंह को मंत्री बना सकती है तो एड. धर्मेन्द्र शुक्ला जो कि भाजपा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी सहित अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष भी हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें भी अध्यक्ष की कमान मिलने की उम्मीद मानी जा सकती है।

ज्योत्सना ग्रुप सीधी प्रांगण में मनाया गया वार्षिकोत्सव

सीधी। जोत्सना विद्यालय के वार्षिकोत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रम एवं उनकी प्रस्तुति शानदार और भव्य है। हर प्रस्तुती एक नई सीख, ऊर्जा और ज्ञान का प्रकाश कुंज पिरोई हुई है। ज्योत्सना विद्यालय 2006 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान गढ़ रही है। अंचल के बच्चों का चहुमुखी विकास होए इसके साथ ही अच्छा स्वास्थ्य भी, इस समिति का प्रमुख उद्देश्य है। आयोजक अभिभावक और देश के कर्णधार बच्चे बधाई के पात्र हैं। उक्त आशय के विचार लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं विद्यालय के संरक्षक पालक डॉ. राजेश मिश्रा ने बतौर मुख्य अतिथि ज्योत्सना ग्रुप के तत्वाधान में ज्योत्सना विद्यालय हड़बड़ों के विशाल प्रांगण में आयोजित वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम में कहीं। सांसद एवं विद्यालय के पालक डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि पाठ्येत्तर गतिविधियां जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। ज्ञानवर्धक एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुति देने के लिए सभी बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक एवं विद्यालय परिवार का अभिनंदन करता हूं। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के रजिस्ट्रार डॉ. सुरेंद्र सिंह परिहार ने ज्योत्सना विद्यालय की तारीफ करते हुए कहा कि बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम अलौकिक एवं सराहनीय है। विद्यालय प्रतिभाओं की खान है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये। कार्यक्रम अद्वितीय है। रजिस्टार डॉ. परिहार ने आयोजकों को शुभकामना देते हुए विद्यालय की उत्तरोत्तर उन्नति की कामना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. उदय सिंह, डॉ. बीके सिंह, कमलेश्वर प्रसाद द्विवेदी, देव कुमार सिंह, केके तिवारी, इन्द्रशरण सिंह, देवेन्द्र सिंह मुन्नू, लालचन्द्र गुप्ता, राकेश शुक्ला, डॉ. अनूप मिश्रा, मुनिराज विश्वकर्मा स्टाफ सहित हजारों अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं सैकड़ो की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जोत्सना जन कल्याण स्वास्थ्य समिति द्वारा संचालित ज्योत्सना विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. श्वेता सिंह ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियां का बखान किया। हाई स्कूल और हाई सेकेंडरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी शिवम सिंह, श्रेया पाण्डेय, अवनिश शुक्ला, राजनंदनी सिंह को अतिथियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। संस्था के संचालक डॉ. अजय मिश्रा द्वारा समस्त छात्रों एवं समस्त स्टाफ का उत्साह वर्धन किया गया। स्वागत भाषण अरविन्द पाण्डेय प्राचार्य ज्योत्सना पब्लिक सेकण्ड्री स्कूल हड़बड़ो।

आभार प्रमोद तिवारी प्राचार्य ज्योत्सना पब्लिक हायर सेकण्ड्री स्कूल सीधी ने किया।

सीधी जिले में भारतीय सुपर हीरो फिल्म बघीरा का प्रदर्शन किया गया

सीधी। इंद्रवती नाट्य समिति, यूसीएन मास पब्लिक स्कूल, ट्रांसफ्रेम और आर्ट ऑन क्लिक के सहयोग से हर रविवार लोगो को ज्ञानवर्धक और मनोरंजन से ओत-प्रोत फिल्में दिखाई जाती है। जिससे स्कूल के विद्यार्थियों के साथ-साथ शहर भर से बच्चे और युवा सहभागिता करते है। इस रविवार 2024 भारतीय कन्नड़ भाषा की सुपरहीरो फिल्म बघीरा का प्रदर्शन किया गया।

यह फिल्म वेदांत नाम के एक युवा लड़के के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सुपरमैन जैसा बनना चाहता है और उसे उम्मीद का प्रतीक मानता है। हलांकि, वह अपने पिता की तरह एक पुलिस अधिकारी बन जाता है। वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद वह पुलिस में भर्ती होता है। वह एक पुलिस ऑपरेशन करता है, जिसमें कई गैंगस्टर गिरफ्तार होते हैं, लेकिन उसे तब हैरानी होती है, जब बड़े अधिकारियों के भ्रष्टाचार में शामिल होने के कारण उन अपराधियों को रिहा कर दिया जाता है। अंत में उसे पता चलता है कि उसके पिता भी एक भ्रष्ट अधिकारी है, जो उसकी दुनिया को पूरी तरह से हिला देता है। इन सब के बीच उसके जीवन में कुछ ऐसा होता है कि वह न्याय के लिए एक सुपरहीरो की पोशाक पहन लेता है और 'बघीरा' बन जाता है।

परिचर्चा के दौरान बच्चो ने बताया कि यूसीएन पब्लिक स्कूल में बघीरा फिल्म बहुत अच्छा लगा। इसमें समस्त लोगो की अदाकारी अद्भूत और बेहतर है।

भारत में आर्थिक सुधारों के प्रणेता रहे डॉ. मनमोहन सिंह: ज्ञान

सीधी। कांग्रेस कार्यालय जवाहर कांग्रेस भवन में शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में एकजुट हुए कांग्रेसियों ने डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह जी के कार्यकाल को भारत के लोग कभी भूल नहीं पाएंगे। उदारीकरण के जरिए भारत में आर्थिक सुधारो के प्रणेता रहे डॉ. सिंह न सिर्फ एक कुशल प्रधानमंत्री और राजनीतिज्ञ थे बल्कि वे विश्व विख्यात अर्थशास्त्री रहे। उनके निधन से देश के साथ-साथ पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। उनका स्थान कभी भरा नहीं जा सकेगा। जिला प्रवक्ता पंकज सिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार शोक सभा में उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, वरिष्ठ पार्षद विनोद मिश्रा, महामंत्री शीलारानी साकेत, महामंत्री दिलीप सितानी, हारून मंसूरी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व कृतित्व को याद किया। शोक सहश्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष आकाश सिंह चौहान रिंकू, महामंत्री भूपेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री कुमुदिनी सिंह, सरदार अजीत सिंह, महामंत्री अशोक कोरी, ओंकार सिंह, अखंड प्रताप सिंह, कोषाध्यक रजनीश सोनी, ब्लॉक अध्यक्ष विवेक सिंह दीपू, अरविंद तिवारी संकट, चंद्रावती साकेत सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर का किया जा रहा आयोजन : सीएमएचओ

सीधी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी डॉ सुनीता तिवारी ने बताया कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं उनके परिवार को अतिरिक्त 5 लाख तथा वार्षिक टॉप अप कवरेज हेतु आयुष्मान कार्ड शिविर जनपद पंचायत सीधी में दिनांक 30 दिसंबर 2024, जनपद पंचायत सिहावल में 7 जनवरी 2025, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में 9 जनवरी 2025, जनपद पंचायत मझौली में 12 जनवरी 2025, जनपद पंचायत कुसमी में 16 जनवरी 2025, नगर पालिका परिषद सीधी में 10 जनवरी 2025 को समय 10 से 5 तक आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने उक्त दिवस में सभी जनमानस से अपील किया है कि अधिक से अधिक 70 एवं उससे अधिक आयु के समस्त वरिष्ठ नागरिक जिनका कार्ड अभी तक नहीं बन पाया है और जिन्हें कार्ड बनवाने में असुविधा हो रही है, शिविर में पहुंचकर सरलता से नि:शुल्क अपना कार्ड बनवाएं।

सहायक आयुक्त छात्रावास का निरीक्षण करने पहुंचे कुसमी

सीधी। सीधी जिले के कुसमी आदिवासी विकास विभाग सीधी के सहायक आयुक्त डीके द्विवेदी रविवार को ही अचानक कुसमी पहुंच गये और शासकीय आदिवासी उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास कुसमी एवं शासकीय आदिवासी बालक आश्रम अंग्रेजी माध्यम कुसमी के साथ-साथ मुख्यालय के कई छात्रावासों मे पहुंचकर औचक निरीक्षण किया एवं अधीक्षको को उन्होने दिशा निर्देश दिये है। वहीं उपस्थित छात्रों से उनके रहन-सहन एवं खान-पान के संबंध में भी जानकारी ली। जहां व्यवस्थाये सुचार रूप से चलती मिली। कई विषयों पर उन्होने अधीक्षकों को दिशा निर्देश दिए हैं उनके साथ में कुसमी के बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी और कुसमी विद्यालय के कई शिक्षक थे।

रेत ओवर लोड की कार्यवाही करना भूल गया प्रशासन

दो दिन मे 41 वाहनो पर हुयी थी कार्यवाही

सीधी। सीधी जिले में ओवरलोड वाहनो के चलने की खबरें मीडिया मे प्रशासन के बाद सीधी जिला कलेक्टर जिला दंडाधिकारी ने खबर पर एक्शन लिया और उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को इन ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया जिससे दो दिवस के अंदर 41 ओवरलोड वाहनों को रोक अधिकारियो ने उन पर कार्यवाही की थी। मामले मे सीधी जिला खनिज अधिकारी ने मीडिया को जानकारी देते हुये कहा था दो दिवस मे 41 ओवर लोड वाहनो पर कार्यवाही की गई थी। इनमे 26 वाहन सिंगरौली जिले के हर्दी और भडसेरी रेत खदान के है एवं 3 वाहन हरचोका रेत खदान और 10 वाहन शहडोल रेत खदान और खनिज बाक्साइड का एक वाहन तथा गिट्टी खनिज का एक वाहन अभिवहन पारपत्र मे अनुमत मात्रा से अधिक खनिज परिवहन जो ओवर लोड करके सीधी की सडको पर चलते मिले थे। जिन्हें अधिकारियो ने खड़ा करा कर उनका वजन कराया और ओवर लोड पाए जाने पर कार्यवाही के लिये खनिज विभाग और जिला कलेक्टर के यहां भेज दिया था।

स्कूटी एवं मोबाइल छीनने का आरोपी हुआ गिरफ्तार

सीधी। छीना झपटी कर फरियादी से स्कूटी एवं मोबाईल छीनने वाले आरोपी को रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी अरविन्द श्रीवास्तव व एसडीओपी महोदय चुरहट के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में छीना झपटी करने वाले आरोपियों को मय वाहन स्कूटी व मोबाइल के दस्तयाब किया गया। पुलिस के अनुसार फरियादी विनोद पटेल पिता बाल्मीक पटेल निवासी डीही थाना गोविंदगढ़ जिला रीवा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 20 नवंबर 2024 को काम से रामपुर नैकिन आया था जो बाद घर वापस जाते समय इसके गाड़ी स्कूटी व आरोपीगण के बाहन मोटर साईकल से टक्कर हो जाने से आरोपीगण द्वारा फरियादी की स्कूटी व मोबाइल छीन लिये थे जो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध थाना रामपुर नैकिन धारा 304(2) भारतीय न्याय संहिता का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना तीनो आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर फरियादी की छीनी गयी स्कूटी एवं 2 नग मोबाइल कुल कीमती करीबन 80 हजार रुपए का बरामद किया जाकर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उपर्युक्त समस्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी, उप निरीक्षक कप्तान सिंह, संजय सोनी, आरक्षक महेन्द्र तिवारी, सैनिक विजय मिश्रा एवं साइबर सेल सीधी से प्रआर आनंद कुशवाहा एवं आरक्षक प्रदीप मिश्रा का कार्यवाही मे अहम भूमिका रही।

स्वास्थ्य परामर्श शिविर में 62 लोगो की हुई जांच: डॉ. अजय

सीधी। ज्योत्सना जन कल्याण स्वास्थ्य समिति एवं मिश्रा नर्सिंग होम सीधी द्वारा विगत कई वर्षों से समिति के संरक्षक एवं लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्र के मार्गदर्शन में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को प्रमुख स्थानो छत्रशाल स्टेडियम, पुराना बस स्टैण्ड, नया बस स्टैण्ड, भवानी मन्दिर, फूलमती मन्दिर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पुलिस ग्राउण्ड,रघु फिलिंग स्टेशन पडैनिया, मड़रिया वायपास में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा चुका है। ज्योत्सना जन कल्याण स्वास्थ्य समिति के सचिव एवं वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. अजय मिश्र द्वारा बताया गया कि मनुष्य के लिए स्वस्थ्य रहना अति आवश्यक है। रविवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ. रामकृष्ण मिश्रा सहायक चिकित्सक रामाश्रय पाल, सहायक चिकित्सक आनन्द मिश्रा, लैब टेक्नीशियन सूरज सिंह, आरडी राठौर, आदि उपस्थित होकर स्वास्थ्य की जांच और उचित परामर्श प्रदान कियें। आगामी रविवार दिनांक 5 जनवरी 2025 को दीन दयाल कलोनी में पार्क के सामने सुबह 6:30से 7:30 बजे तक शिविर का आयोजन किया जायेंगा।

नपा में अलाव जलने से लोगों को मिली राहत

सीधी। नगर पालिका सीधी के सीएमओ श्रीमती मिनी अग्रवाल के निर्देश पर नपा क्षेत्र में अलाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिससे लोगों को राहत मिलना माना जा रहा है। इस मामले में शहर के बस स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक जगहों में अलावा की व्यवस्था होने से आम जनों को राहत की सांसे मिली हैं। देखा जाए कि भीषण ठंडी से आम जनता परेशान थी। जिस वजह से अलाव की व्यवस्था शुरू होने के बाद अब लोगों में राहत की सांस मिली है। अलाव व्यवस्था प्रभारी अमित सिंह चौहान सहित नपा के कर्मचारियों द्वारा सार्वजनिक स्थानों में अलाव की व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है। जिसके तहत सम्राट चौक, हॉस्पिटल कैम्पस, प्रेम स्वीट के पास, गांधी चौराहा पार्किंग, नया बस स्टैंड के अंदर, कलेक्ट्रेट कैंपस, पुराना बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों में अलाव की व्यवस्था शुरू हो गई है।

दुकान का शटर तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सीधी। दुकान का शटर तोड़ चोरी करने वाले आरोपी को त्वरित कार्यवाही करते हुये जमोड़ी पुलिस ने 18 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर चोरी गया मशरुका बरामद किया। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक विशाल शर्मा के नेतृत्व में जमोड़ी पुलिस ने 18 घंटे के भीतर चोरी का खुलासा करते हुये चोरी गया लगभग सम्पूर्ण मशरुका बरामद किया। पुलिस के अनुसार दिनांक 28 दिसंबर 2024 को फरियादी संतबहादुर सिंह पिता दिलराज सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम तेन्दुहा नम्बर 1 थाना कोतवाली जिला सीधी का थाना जमोड़ी उपस्थित आकर इस आशय की रिपोर्ट लेख कराया कि बीएस एसोसिएट के नाम से ग्राम अंधियारखोह थाना जमोड़ी में छड़ सरिया सीमेन्ट हार्ड वेयर की दुकान चलाता हूं। कल दिनांक 27 दिसंबर 2024 को समय लगभग 6-7 बजे शाम मैं अपनी दुकान बंद कर घर चला गया था। दुकान में दो-तीन दिन का बिक्री किया हुआ पैसा 1.55 लाख रुपये दुकान के अंदर ही दराज में रखकर चला गया था। आज दिनाक 28 दिसंबर 2024 को सुबह 8:30 बजे के लगभग दुकान में आया मेन गेट खोलकर अंदर गया तो दुकान का शटर खुला था। दुकान के अंदर देखा तो दराज में रखा पैसा नहीं था। लगता है कोई अज्ञात चोर दुकान का शटर तोडक़र अंदर रखा पैसा चुरा लें गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना जमोड़ी में धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी जमोड़ी उनि विशाल शर्मा, उनि अतर सिंह, सउनि वीरभान साकेत, गोविन्द साकेत, प्रआर महाराणा सिंह, आरकेपी सिंह, सतीश तिवारी, सुनील बागरी, अभिषेक सिंह एवं सायबर सेल से प्रदीप मिश्रा का सराहनीय योगदान रहा है।

संपादकीय

इतिहास है साक्षी

मनमोहन सिंह ने जब कहा था कि इतिहास उनके मूल्यांकन में वर्तमान के मुकाबले ज्यादा उदार होगा, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं थी। हालांकि किसी भी व्यक्ति के मूल्यांकन का बड़ा आधार उसके योगदान को समय की कसौटी पर कसना भी होता है। फिर भी, अगर मनमोहन सिंह के मन में अपने दौर की वस्तुपरकता को लेकर संदेह था, तो उसे हलके में नहीं लिया जा सकता। जाहिर है, उनके जीवन और योगदान को इस लिहाज से भी देखने की जरूरत है कि उसे देखने, समझने और समझाने में हमारे दौर ने कहां, कितनी और कैसी चूक की। चाहे वित्त मंत्री के रूप में हो या प्रधानमंत्री के रूप में, उनके खाते में ऐसी उपलब्धियां दर्ज हैं जिनकी चमक फीकी नहीं पड़ने वाली। बतौर वित्त मंत्री वह देश को लाइसेंस कोटा राज से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर ले गए। पीएम पद के लिए उन्हें चुना भले सोनिया गांधी ने हो, अमेरिका के साथ परमाणु ऊर्जा करार को अंजाम तक पहुंचा कर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित कराने का श्रेय पूरी तरह से उनके संकल्प को जाता है। मनमोहन सिंह निजी तौर पर अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए तो जाने ही जाते रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शासन में पारदर्शिता लाने वाले कई कदम उठाए। उनके कार्यकाल में न केवल राइट टु इन्फॉर्मेशन कानून लाया गया, बल्कि उस पर प्रभावी अमल भी सुनिश्चित कराया गया। अपने इस विश्वास को वह आजीवन जीते रहे कि काम को ही बोलने देना चाहिए। अपनी मितभाषिता और विनम्रता के जरिए वह राजनीति की गरिमा बढ़ाते रहे। हालांकि इसी वजह से उन पर यह आरोप भी लगा कि वह अपना और अपनी सरकार व पार्टी का ढंग से बचाव नहीं कर पाते। उनके कार्यकाल के दौरान सामने आए स्कैंडल से जो परसेप्शन बना, उसे वह समय रहते खत्म नहीं कर पाए। हालांकि अदालत में वे आरोप टिक नहीं सके। इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र में राजनीति अपने तर्कों से ही चलती है। समाज के नजरिये को विचारधाराएं भी अपने ढंग से प्रभावित करती हैं। ऐसे में अगर नब्बे के दशक में बतौर वित्त मंत्री उनके द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक कदमों को एक खेमा संकीर्ण वैचारिक चश्मे से देख रहा था तो समाज में बन रहे परसेप्शन पर उसका असर पड़ना लाजिमी था। ऐसे ही राजनीति ने भी मनमोहन सिंह की विनम्रता के अपने ही मतलब निकाले। लेकिन इन बातों का प्रभाव, आखिरकार, कितना अस्थायी होता है यह भी मनमोहन सिंह को मिल रही श्रद्धांजलियों ने स्पष्ट कर दिया है।

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

(संजय सक्सेना)

मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है।

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगदुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन

बाद आई है। बता दें जगदुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधु संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था।

बहरहाल, जगदुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठलनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला और संभल की शाही जामा मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे।

उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दर्शाता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं, उनके आरएसएस से संबंध होते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खंडहरों में दबा इतिहास, संभल से काशी तक मंदिरों की खोज जारी, क्या है सच?

(अमिय भूषण)

संभल सहित कश्मीर घाटी के बाहर विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों में जीर्ण-शीर्ण मंदिरों की मिलती घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं। प्रशासनिक अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से सम्पूर्ण उत्तरप्रदेश में पहचान किए गए भग्न मंदिरों की स्थिति और हिंदू समुदाय में विरोध और अनुशीलन का माहौल उत्पन्न हो चुका है।

हिंदू पौराणिक मान्यताओं का एक विशिष्ट नगर संभल है। यहां से जुड़ी भविष्यवाणियों के नाते यह भारत भूमि के तीर्थों मे बेहद खास है। किंतु इन दिनों ये शहर कुछ अन्य कारणों से सुर्खियों मे है। यह चर्चा हिंदू समुदाय के साथ होने वाले दंगे अथवा पलायन को लेकर कतई नहीं है।

दरअसल स्वतंत्रता उपरांत कश्मीर घाटी के बाहर सर्वाधिक हिंदू उत्पीड़न की घटना वाली जगहों में से एक संभल है। फिलहाल खबरों में यहां के अतिवादी मुसलमानों का मनमानापन भी नहीं है। यहां अतिक्रमण मुक्ति अभियान के दौरान प्रशासन को एक जीर्ण शीर्ण मंदिर मिला है। तब से एक सिलसिला सा चल पड़ा है। संभल से काशी तक हर मुस्लिम मुहल्ले में ऐसे मंदिर मिल रहे है। केवल कानपुर नगर के अंदर ही ऐसे 125 भग्न देवस्थान मिले है। किंतु सभी मंदिरों की दारुण गाथा एक सी है।

हर देवालय का एक इतिहास, अतीत गाथा के प्रमाण- देव विग्रह अस्त व्यस्त अथवा टूटे पड़े है अन्यथा देवताओं की मूर्तियां गायब है। हर देवालय अतिक्रमण और कूड़े के अंबार के बीच है। यही नहीं यहां जाने के मार्ग भी जान बूझ कर बंद कर दिया गया है। जबकि इनमें से हर देवालय का अपना एक इतिहास है। ये आस्था के संग अतीत गाथा के प्रमाण है। इनमें से कई मंदिर पांच सौ वर्ष पुराने तो कुछ पुराणों में वर्णित देवस्थल है। ऐसे में इन मंदिरों के साथ किये गए कुकृत्य के लिये सवाल तो बनता है।

पुरातत्व विभाग वास्तविक स्वरूप के आकलन में लगा- बात सवालों की करें तो इस घटना उपरांत देश भर से विरोध के स्वर उठे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के पटल पर इसकी चर्चा की है। उन्होंने कहा कि इन मंदिरों ने वास्तविकता को सामने ला दिया है। वहीं हिंदू जनमानस इसके उपरांत स्वतः स्फूर्त संगठित और आंदोलित हो चला है। प्रशासन के सहयोग से मंदिरों के मिलने का सिलसिला जारी है। पुरातत्व विभाग इनके वास्तविक स्वरूप के आकलन के निर्धारण में लगा है।

मंदिरों के साथ कई कूप और तीर्थ स्थल मिले- मंदिरों के साथ ही अन्य पुराने निर्माण भी प्राप्त हो रहे है। ऐसे कई कूप भवन और अन्यन्य हिंदू धार्मिक चिह्न सामने आये हैं। अकेले संभल मे ही अबतक कई कूप और तीर्थ स्थान मिले है। एक प्राचीन बावड़ी साथ से लगता एक भूमिगत सुरंग भी खुदाई के दौरान प्राप्त हुआ है। यहां इससे जुड़े कई कक्ष भी मिले है। मान्यता अनुसार अत्याचार के नाश के लिए ईश्वर के अवतरण की पावन भूमि यह नगरी है। इस नगर मे 68 तीर्थ स्थान 19 कूप और 36 पुरों का वर्णन है। संयोग से ये सभी खोज बिना मंदिर मस्जिद विवाद के ही जारी है। इस बीच भारत के तथाकथित छद्म धर्मनिरपेक्ष दल और मुस्लिम पक्ष इसको लेकर मौन है। किंतु इसके ठीक उलट आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मुखर है। उन्होंने इसे लेकर घोर आपत्ति व्यक्त की है। जिसके बाद विपक्षी दलों ने आरएसएस चीफ के बयान का स्वागत किया है। जबकि मुस्लिम धार्मिक नेताओं की तरफ से इसे महज एक छलावा बताया जा रहा है। वहीं हिंदू वर्ग में इसको लेकर रोष है। यहां तक की संघ और भाजपा समर्थक भी इससे सहमत नहीं है। आरएसएस के अंग्रेजी भाषी मुख्यपत्र ऑर्गनाइजर में इसे सभ्यतागत न्याय की लड़ाई कहा गया है।

दरअसल पिछले हजार वर्ष मे इस देश ने अगनित आघात झेले है। इस दौरान आक्रान्ताओं ने बड़ी संख्या में उपासना स्थलों को तोड़ा है। यहां मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के केंद्रबिंदु भी रहे है। दुर्भाग्य से भारत लंबे समय के लिए पराधीन और विदेशी प्रभाव में भी रहा है। इस नाते इन पर कोई सार्थक पहल नहीं हो पाई।

किंतु श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण आंदोलन और यहां भव्य मंदिर के नवनिर्माण ने एक मार्ग दिखाया है। प्रसिद्ध इतिहासकार सीताराम गोयल की अरुण शौरी और राम स्वरूप के साथ लिखी पुस्तक हिंदू टेम्पल व्हाट हैपेंड टू देम मे ऐसे 1800 देवस्थानों का जिक्र है। यदि समय रहते ऐसे हर निर्माण का सर्वेक्षण पूरा नहीं किया गया तो पुरानी संरचना को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

ऐसे सभी मामले संविधान के दायरे में कानून सम्मत दृष्टिकोण के साथ बढ़ाये गए है। कहीं कोई आंदोलन, उत्तेजना अथवा साम्प्रदायिक तनाव नहीं है। ऐसे में भला समुदाय विशेष की भावना आहत होने या फिर उनके तरफ से हिंसा के प्रयास के नाते न्याय से कैसे विमुख हुआ जा सकता है। यह तो नागरिक कर्तव्य और मौलिक अधिकारों पर सीधे चोट है।

1991 का पूजा स्थल अधिनियम सबसे बड़ी बाधा- ऐसे कई उदाहरण दुनिया भर में मौजूद है। स्पेन में 700 वर्षों के बाद आक्रांत मुस्लिम शासन के दौर की इमारतें गिराई गई। रूस में साम्यवाद जैसे पाशविक गैररूसी विचार के दौरान की मूर्तियाँ और स्मारक सब तोड़ डाले गए। बात भारत की हो तो यहां भी वास्तव में ऐसे हर नवनिर्माण का उद्देश्य केवल जनमानस में भय उत्पन्न करना और भारत की पहचान को नष्ट करना ही रहा है। इस विषय में देश के प्रबुद्ध वर्ग संग विभिन्न समुदाय और न्यायपालिका को भी सोचना चाहिए।

वैसे इसके निराकरण मे एक बड़ी बाधा सन् 1991 का पूजा स्थल अधिनियम है। कांग्रेस शासन में संसद से पारित इस कानून के नाते यह स्वतंत्रता के समय की यथास्थिति को बहाल रखने की बात करता है। तत्कालीन सरकार ने राजनैतिक कारणों से इसे लागू किया था। अयोध्या राम जन्मभूमि तथा जम्मू कश्मीर राज्य को छोड़ पूरे देश के हिंदू मंदिरों को इसके अधीन रखा गया है। इस नाते अब तक ये विवाद लगातार जारी है। इस बीच न्यायालय में आ रहे मसलों पर निर्णय तो नही हो सकता है किंतु सर्वेक्षण हो रहे थे।

केंद्र सरकार का जवाब अदालत के फैसले में अहम भूमिका निभाएगी- दरअसल इसका मार्ग भी सर्वोच्च न्यायालय के रास्ते निकला था। मई 2022 मे काशी के ज्ञानवापी मंदिर सुनवाई के दौरान तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने एक टिप्पणी की थी। इसके अनुसार यह अधिनियम किसी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र के निर्धारण पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। यह अधिनियम 15 अगस्त 1947 तक किसी पूजा स्थल की स्थिति की जांच पर रोक भी नहीं लगाता है। किंतु यह प्रावधान यथास्थिति में परिवर्तन पर रोक संग न्याय के विरुद्ध है। जिसमें समय के साथ बदलाव की आवश्यकता है।

किंतु इस बीच अदालतों में ऐसे बढ़ रहे मामलों के नाते सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। इस बीच कोर्ट में ना तो नये मामले लिये जायेंगे और ना ही किसी पुराने मसले पर निर्णय आएगा। यही नहीं किसी भी विवादित स्थल पर सर्वेक्षण भी फिलहाल नहीं होगा। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णायक फैसला कई बिंदुओं पर निर्भर करेगा। विभिन्न पक्षों को सुनने के साथ ही केंद्र सरकार के जवाब की भी इसमें एक अहम भूमिका होगी। वैसे केंद्र सरकार के पास एक विकल्प संसद से इस कानून के निरस्तीकरण का है।(ये लेखक के निजी विचार हैं) (लेखक भारतीय संस्कृति परंपरा अध्येता हैं)

वर्ग पहेली 5597

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			■
	■		■	9		■	10
	■	■	11	■	■	12	
13	14	15		16	■	■	
■	17		■	18	19		
20			■	21		■	■
22		■	23		■	■	24

संकेत: बाएं से दाएं
1. बांग्लादेश के उत्तरी भाग में ब्रह्मपुत्र नदी का यह नाम है (3)
4. देश के सबसे गहरे खंडों का निर्माण करने वाली नदी (3)
7. रस्म, रीति, प्रथा, चलन (3)
8. जो असत्य हो, जो उचित न हो (3)
9. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
12. जिसके साथ आत्मीयता का संबंध न हो, अन्य (2)
13. नया जमाना, नवीन दुनिया (4)
17. लिखा हुआ, अंकित (2)
18. आतंकनभूमि, भय, डर (4)
20. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद और बल्ले का एक प्रकार का खेल, पोलो (3)
21. धेनु, गौ (2)
22. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
23. दफा, मर्तबा, मद्यशाला (2)
24. प्रातःकालीन का अर्धप्रकाश, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे
1. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना (5)
2. औषधि, उपचार, चिकित्सा (2)
3. विशिष्ट किंतु अज्ञात बात, घटना का विवरण (3)
4. शास्त्रीय संगीत में एक रागिनी जो मेघराग की पुत्रवधू कही गई है (3)
5. दंगा-फसाद उपद्र, बगावत (3)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
10. कोई ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
11. मननशील, महात्मा, मनन करने वाला (2)
14. ईद की नमाज पढ़ने का स्थान (4)
15. दुष्ट व्यक्ति जिसकी भूमिका खल व्यक्ति की हो (3)
16. स्मरण रहने योग्य, स्मरणीय (4)
19. घोड़े को यह भी कहा जाता है (2)
20. चबूतरा, चबूतरे के रूप में बनी हुई वास्तु रचना (2)

वर्ग पहेली 5596 का हल

स	से	जि	नी	ना	य	इ	■
दा	म	न	■	ना	■	रे	■
ब	■	■	ही	■	मं	ड	क
हा	द	सा	■	सु	■	क	ञ
र	ह	म	दि	ल	■	प	स
■	न	■	ल	ह	र	■	■
का	ली	■	ब	■	ई	ला	न
ञ	ल	व	र	■	स	न	म

जाना था जापान, पहुंच गए..

(अक्षय शुक्ला)

घुमक्कड़ों की राह आसान बनाने वाला गूगल मैप आजकल उन्हें भटकाने के लिए ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है। ताज़ा मामला गुजरात के एक परिवार का है जो अपनी कार में मैप लगाकर जिम कॉर्बेट नैशनल पार्क के लिए निकला लेकिन पहुंच गया बिजनौर। गाड़ी एक गड्ढे में फंसी तो मददगारों ने उसे बाहर निकाल उन्हें सही रास्ता दिखाया। गनीमत रही कि इनकी कार शहर के गड्ढे में ही फंसी वरना केरल के एक परिवार की गाड़ी तो राह भटकते हुए नदी में ही पहुंच गई थी।

कुछ इसी तरह बरेली के पास एक कार नहर में जा गिरी थी। उसमें बैठे तीन छात्रों को लोगों ने किसी तरह बचाया। लेकिन ऐसी खुशकिस्मती उन तीन युवकों की नहीं थी जिनकी कार को जीपीएस ने एक अधूरे पुल पर चढ़ा दिया। बीते नवंबर में बदायूं व बरेली के बीच नदी पर बने इस टूटे पुल से इनकी गाड़ी नीचे जा गिरी थी, जिसमें तीनों की मौत हो गई। पिछले साल अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में भी एक युवक कार समेत टूटे ब्रिज से नीचे गिरकर मारा गया था। जीपीएस ने उसकी कार को एक ढह चुके ब्रिज पर चढ़ा दिया था।

इस तरह के वाकये बढ़ते ही जा रहे हैं। दो बार तो मेरे साथ ही हो चुका है। बीती गर्मियों में रुद्रप्रयाग यात्रा के दौरान वहां से कार्तिकेय स्वामी मंदिर जाने के लिए मैप ऑन किया। पूरे रास्ते में एक तरफ गहरी खाई थी और दूसरी तरफ ऊंचे पहाड़। एक जगह पहाड़ की तरफ दाएं मुड़ने का निर्देश मिला, पर वहां कोई कट ही नहीं दिखा। आगे से जीपीएस ने वापस लौटाया तो देखा एकदम पथरीली खड़ी चढ़ाई पर कार ले जाने को बोल रहा है। वह रास्ता इतना संकरा था कि एक बार में एक ही गाड़ी आ या जा सकती थी। उस रास्ते पर कार चढ़ा तो दी पर यह सोचकर सांसें थमी रहीं कि सामने से कोई गाड़ी उतर रही होगी तो क्या होगा। तीन किलोमीटर की घुमावदार चढ़ाई के बाद जाकर मेन रोड आई तो जान में जान आई। दरअसल लंबे रास्ते से बचाने के लिए गूगल ने हमें इस छोटे मगर खतरनाक रास्ते पर चढ़ा दिया था।

इसी तरह एक बार दिल्ली के द्वारका से लौटते वक्त जाम से बचाने के लिए जीपीएस ने हमारी गाड़ी को एक गांव की गलियों में घुसा दिया। उन तंग गलियों में अंदर पहुंचे ही थे कि सामने से भी कई गाड़ियां आती दिखीं। समझते देर नहीं लगी कि गूगल ने एक साथ सभी गाड़ियों को उन गलियों में मोड़ दिया है। नतीजा, सारी गाड़ियां आमने-सामने आकर अटक गईं। गांव के युवकों ने किसी तरह आगे-पीछे कर गाड़ियों को निकलवाया, जिसमें एक घंटे से अधिक का समय लग गया। मेन रोड से जाते तो भले ही जाम में फंसते पर वक्त की इतनी बर्बादी और माथापच्ची तो नहीं होती।

ये सारी घटनाएं बताती हैं कि जीपीएस सिस्टम को अपने लाइव अपडेट में काफी सुधार की ज़रूरत है। भारत जैसे देश में तो इस दिशा में बहुत बड़े स्तर पर काम करना होगा क्योंकि अभी बहुत सी ऐसी जगह हैं, जहां सड़क तक नहीं पहुंची है। आज बड़ी संख्या में लोग इसके सहारे ही लंबी यात्राओं पर निकल जाते हैं। उनकी जान और भरोसे से ऐसे खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। बहरहाल, सबक यही है कि भले ही थोड़ा ज्यादा टाइम लग जाए पर गाड़ी से जा रहे हैं तो मेन रोड या हाइवे नहीं छोड़ना ही बेहतर है। कम से कम जान जोखिम में पड़ने का खतरा तो नहीं रहेगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज दिन सफलता से भरा होगा। ऑफिस में आपके प्रदर्शन को देखकर कुछ लोगों का मूड खराब हो सकता है। आपसे कुछ लोगों को चिढ़ हो सकती है। दिन परोपकार में व्यतीत होगा और आपको दूसरों की मदद करने से खुशी होगी। आप अपने अच्छे व्यवहार से माहौल को काफी खुशनुमा बना देंगे।

वृष
आज दिन सफलता से भरा होगा और परिजनों के साथ आपका अच्छा वक्त बीतेगा। आपको कहीं से कोई दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। ऐसा कोई काम न करें कि आपकी सेहत को नुकसान हो।

मिथुन
आज दिन शुभ है और आपको पिता के आशीर्वाद और उच्चाधिकारियों की तरफ से कोई शुभ समाचार की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी और व्यर्थ व्यय से बचें।

कर्क
आज लाभ होगा और आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से खुशी का अनुभव होगा। आपके कोष में वृद्धि होगी और कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। कोष की स्थिति बेहतर होगी और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह
आज दिन शुभ है और आपको हर कार्य में आशातीत सफलता प्राप्त होगी और आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। संतान के प्रति आपके दायित्व की पूर्ति होगी और आप काफी तरक्की करेंगे। रुका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन क्रिया मंद होने से आपको नुकसान हो सकता है।

कन्या
आज दिन सफलता से भरा रहेगा और आपका भाग्य साथ दे रहा है। आपको वृद्धजनों की सेवा और पुण्य कार्य पर धन व्यय करने से खुशी होगी। आपके सभी जरूरी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी।

तुला
आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं और आपके लिए आय के नए स्रोत बन रहे हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। आपको वाक्पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

वृश्चिक
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आपकी तरक्की होगी। आपके धन सम्मान और यश कीर्ति में वृद्धि होगी। आपका रुका कार्य पूर्ण होगा और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
आज करियर के मामले में लाभ होगा और गृहोपयोगी वस्तुओं पर आपका धन काफी खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और आपकी तरक्की होगी। आपको अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव मिल सकता है।

मकर
आज करियर के मामले में दिन शुभ है। आपके मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी। आपके व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। शाम को आपके लिए धार्मिक यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

कुंभ
आज दिन काफी खर्च वाला रहेगा। आपको फालतू खर्च काफी करना पड़ सकता है। भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम के समय स्थिति में सुधार होगा। पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

मीन
आज जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आपको किसी मामले में पास और दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल को मुस्लिम बहुल राज्य बनाना चाहते हैं आतंकी, टीएमसी कर रही उनकी मदद; बीजेपी का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आतंकवादियों की मदद करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने शनिवार को कहा, जो भी आतंकी पकड़ा जा रहा है, उसका संबंध टीएमसी के किसी न किसी से होता है। फेक आधार कार्ड और वोटर कार्ड चलाने की मशीनरी चलाई जा रही है। कोई नदिया और मुर्शिदाबाद तो कोई नॉर्थ 24 परगना से पकड़ा गया है। इनका तृणमूल के साथ संबंध भी सामने आया है। इससे पता चलता है कि पिछले 5 बरसों से ममता बनर्जी ने ऐसे लोगों को खुली छूट दी हुई है, भारत के खिलाफ जो मन हो वो करिए। चुनाव आता है तो ये लोग फतवा जारी करके टीएमसी के पक्ष में वोट करवाते हैं। सुकांत मजूमदार ने कहा कि त्रिपुरा और असम में बॉर्डर के ज्यादातर हिस्सों में बाड़ लगाई जा चुकी है, मगर पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। यह इसलिए है क्योंकि बंगाल सरकार ने घुसपैठियों के खिलाफ बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दी। ऐसे में आप लोगों को कैसे रोकेंगे। उन्होंने कहा, आतंकवादी पश्चिम बंगाल को मुस्लिम बहुल राज्य में बदल देना चाहते हैं और टीएमसी उनकी मदद करने में लगी हुई है। इसलिए भाजपा नेता उनकी हिटलिस्ट में हैं और टीएमसी लीडर नहीं। बंगाल सरकार के बयान देखिए तो वे भारत के नहीं बल्कि किसी दुश्मन देश के नेता लगते हैं। हमें देश को कट्टरपंथी इस्लामी शक्तियों से बचाने की जरूरत है। बंगाली हिंदुओं को यह बात समझनी होगी। इस बीच, कोलकाता पुलिस ने देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी महानगर के पार्क स्ट्रीट इलाके से हुई। पुलिस ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक के पास फर्जी पहचान पत्र थे। उसने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश में नरैल के रहने वाले व्यक्ति को गोपनीय सूचना के आधार पर कोलिन्स लेन से पकड़ा गया। वह 2023 से शहर के खिदरपुर इलाके में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उसके पास एक फर्जी पैन कार्ड और फर्जी आधार कार्ड है, जिस पर उत्तर 24 परगना का पता लिखा है। हाल में पार्क स्ट्रीट के पास मार्क्विस स्ट्रीट इलाके से एक और बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जो वर्षों से शहर में रह रहा था और उसके पास भी फर्जी दस्तावेज थे। फर्जी दस्तावेज जारी करने में शामिल गिरोह का पता लगाने के लिए जांच जारी है और गिरफ्तार लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

अगली जनगणना कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए नई पहल की गई- गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उन्नत भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके अगली जनगणना कार्यों को सुविधाजनक बनाने की दिशा में कई नई पहल की गई है. इसमें अपनाई गई जनगणना-पूर्व मानचित्रण गतिविधियों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों, उप-जिलों, गांवों, कस्बों और कस्बों के भीतर वार्डों की प्रशासनिक इकाइयों को दर्शाने वाले मानचित्रों की तैयारी और अपडेट करना शामिल है, ताकि देश के संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र का समुचित कवरेज सुनिश्चित किया जा सके. गृह मंत्रालय ने 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, इसके अलावा, वेब आधारित इंटरेक्टिव मानचित्रों के माध्यम से जनगणना के परिणामों के प्रसार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. इस दिशा में प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू हो चुका है. इसमें दोहराया गया कि आगामी जनगणना के लिए केंद्र सरकार द्वारा 8754.23 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है. इसमें कहा गया है कि जनगणना मानचित्रण गतिविधियों को त्वरित और कुशल तरीके से पूरा करने के लिए मौजूदा डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर को नवीनतम संस्करणों में अपग्रेड किया गया है और सभी मानचित्रण जनशक्ति को नवीनतम सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है. मंत्रालय ने कहा, जनगणना 2011 के बाद 31 दिसंबर 2023 तक देश में हुए क्षेत्राधिकार संबंधी परिवर्तनों को भू-संदर्भित डेटाबेस में अपडेटशन कर दिया गया है और आगे अपडेटेशन जारी है क्योंकि फ्रीजिंग तिथि बढ़ा दी गई है.

भारतीय चिकित्सा जगत 2025 में परिवर्तनकारी विकास के शिखर पर होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय चिकित्सा जगत 2025 में परिवर्तनकारी विकास के शिखर पर होगा. प्रसिद्ध स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. तामोरिश कोले ने इस बात का दावा किया. उन्होंने कहा कि, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र प्रौद्योगिकी में प्रगति, नीतिगत सुधारों और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित है.

उन्होंने आगे कहा कि, आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) जैसे कार्यक्रम अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं. साथ ही निवारक स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. ऐसा करके हाशिए पर पड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं. कोले ने कहा कि, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी से टेलीमेडिसिन, एआई और पहनने योग्य उपकरणों के माध्यम से शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के अंतर को पाटने की उम्मीद है. अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा संघ की नैदानिक अभ्यास समिति के अध्यक्ष कोले ने कहा कि, पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन जैसी बुनियादी ढांचा पहल टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने, असमानताओं को कम करने और उन्नत देखभाल तक पहुंच में सुधार करने के लिए तैयार हैं. इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को बेहतर बनाने और चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करने के प्रयासों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा कार्यबल को मजबूत करना है, इसे वैश्विक मानकों के साथ अलाइन करना है. भारत की स्वास्थ्य सेवा रणनीति गैर-संचारी रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए निवारक और प्राथमिक देखभाल पर जोर देती है, जिसे टीकाकरण अभियान, पोषण कार्यक्रम और मानसिक स्वास्थ्य पहलों द्वारा समर्थित किया जाता है.

उन्होंने आगे कहा, देश का चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र भी आगे बढ़ने के लिए तैयार है, जो विभिन्न विशेषताओं में सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाले उपचार प्रदान करता है. आयुष के तहत पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का पूरक होंगी, जो साक्ष्य-आधारित शोध द्वारा समर्थित समग्र देखभाल को बढ़ावा देंगी. स्थिरता भी एक प्राथमिकता है, जिसमें अस्पताल पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाते हैं. 2025 तक, भारतीय स्वास्थ्य सेवा से नवाचार, समावेशिता और लचीलेपन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करने की उम्मीद है, जो एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करेगी जो अपनी आबादी की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती है. इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को जारी 2023-24 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि आयुष्मान भारत, यू-विन (सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम-विन), भारत का राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी), राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (चरण-वी), मिशन परिवार विकास, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम), राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनटीएमएचपी) सहित अन्य ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी सफलता दर्ज की है. विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग (टेली मानस) की घोषणा माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2022 में की थी. जिसमें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की दक्षता और परिणाम में सुधार के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग की वकालत की गई थी. मंत्रालय ने कहा,16 दिसबंर 2024 तक, 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने टेली-मानस सेवाएं शुरू कर दी हैं और उनके पास 53 कार्यात्मक प्रकोष्ठ हैं. हेल्पलाइन नंबर पर 16,64,000 से अधिक कॉल संभाले गए हैं. सभी सशस्त्र बलों के कर्मियों और उनके आश्रितों को टेली-मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय (एएफएमसी), पुणे में एक समर्पित टेली-मानस सेल भी स्थापित किया गया है. भारत में चिकित्सा शिक्षा का जिक्र करते हुए मंत्रालय ने कहा कि, 2013 से14 में 387, 2024 से 25 में 780 (सरकारी-431, प्राइवेट- 349) तक मेडिकल कॉलेजों में 101.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसके अलावा, एमबीबीएस सीटों में 2014 से पहले 51,348 से 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वर्तमान में यह 1,18,137 हो गई हैं. पीजी सीटों में भी 2014 से पहले 31,185 से 134.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब 73,157 हो गई हैं. मंत्रालय ने कहा, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के तहत तीन चरणों में 157 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 131 कार्यरत हैं और शेष कुछ वर्षों में कार्यरत हो जाएंगे. इन 157 कॉलेजों में से 40 देश के आकांक्षी जिलों में बनाए जा रहे हैं, जिससे चिकित्सा शिक्षा में असमानता के मुद्दों का समाधान होगा.

दिल्ली में अवैध प्रवासियों पर पुलिस ने की कार्रवाई, 8 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले में वसंत कुंज साउथ पुलिस स्टेशन द्वारा अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर फॉरनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के माध्यम से बांग्लादेश भेज दिया गया. ये सभी रंगपुरी, दिल्ली में रह रहे थे. यह अभियान साउथ वेस्ट जिला पुलिस द्वारा अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए गए बड़े अभियान का हिस्सा था. इस अभियान की अगुवाई इंस्पेक्टर रतन सिंह द्वारा की गई, जिसमें अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे. पुलिस टीम ने कुल 400 परिवारों के दस्तावेजों की जांच की. इसके अलावा विशेष टीम को पश्चिम बंगाल भेजा गया, ताकि संदिग्धों की मैनुअल जांच की जा सके पूछताछ में सामने आया सच- गिरफ्तार किए गए आठ बांग्लादेशी नागरिकों में व्यक्ति, उसकी पत्नी और उसके छह बच्चे शामिल थे. पुलिस पूछताछ में व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश के ढाका से भारत आया था और उसने जंगली रास्तों और एक्सप्रेस ट्रेनों का इस्तेमाल किया था. इसके बाद वह दिल्ली में बस गया और अपनी पत्नी और बच्चों को बांग्लादेश से भारत लाकर रंगपुरी में छुपकर रहने लगा. जब पुलिस ने इनकी पहचान की तो पता चला कि इन लोगों ने अपने बांग्लादेशी पहचान पत्रों को नष्ट कर दिया था. पुलिस ने कहा कि इस अभियान ने साउथ वेस्ट जिला पुलिस की अवैध प्रवासियों के खिलाफ की जा रही मुहिम को और मजबूत किया है. आगे भी पुलिस ऐसे अभियान जारी रखेगी.

हिमाचल सरकार ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करेगी- मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ऊना जिले में लगभग 20 करोड़ रुपये के निवेश से आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि संयंत्र की न्यूनतम प्रसंस्करण क्षमता 500 किलोग्राम प्रति घंटा होगी और यह मुख्य रूप से आलू के गुच्छे के उत्पादन पर केंद्रित होगा। कृषि विभाग को इस संबंध में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया गया है। सुक्खू ने कहा, राज्य की कुल सब्जी खेती में आलू का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत है। यह 16,960 हेक्टेयर से लगभग 2,38,317 टन उपज देता है। उन्होंने कहा कि आलू प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना से आलू किसानों को बेहतर लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे कारखाने और कृषि क्षेत्र, दोनों में रोजगार के अवसर पैदा होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आलू को फ्लेक्स जैसे मूल्य-संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत करके, यह संयंत्र आलू बाजार को स्थिर करने में मदद करेगा तथा मूल्य में उतार-चढ़ाव के प्रति किसानों की संवेदनशीलता को कम करेगा। सुक्खू ने कहा कि ऊना जिला, दोनों मौसमों (शरद ऋतु और बसंत) में 3,400 हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 54,200 टन आलू उत्पादन के साथ, ऐसे संयंत्र को समर्थन देने के लिए अच्छी स्थिति में है।

अधूरा रह गया मनमोहन सिंह का सपना, जीते जी कोयला घोटाले में नहीं हो पाए बेदाग, सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी लड़ाई

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एक इच्छा अधूरी रह गई। दिल्ली की एक अदालत द्वारा कथित अनियमित कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में उन्हें आरोपी बनाए जाने के बाद उन्होंने इस दाग को मिटाने की पूरी कोशिश की, लेकिन यह प्रयास अधूरा रह गया। यदि उन्हें कोर्ट से राहत मिलती, तो यह उनके साफ-सुथरे अतीत को बनाए रखने में मददगार साबित होता। सुप्रीम कोर्ट ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान हुए कोयला ब्लॉकों के अनियमित आवंटन को रद्द करते हुए ट्रायल कोर्ट को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत ऐसे मामलों में मुकदमा आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था।

मार्च 2015 में दिल्ली की एक अदालत ने हिंडाल्को को तालाबीरा-द्वितीय कोयला ब्लॉक के कथित अनियमित आवंटन मामले में मनमोहन सिंह को आरोपी के रूप में समन भेजा था। इस समन आदेश से चिंतित मनमोहन सिंह ने इसे चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, क्योंकि उन्हें ट्रायल कोर्ट के समक्ष आरोपी के रूप में खड़ा होने की बदनामी का डर था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसका नेतृत्व जस्टिस वी गोपाला गौड़ा कर रहे थे, ने 1 अप्रैल 2015 को इस समन आदेश पर रोक लगा दी और उनकी याचिका की सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया।

हालांकि सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, फिर भी ट्रायल कोर्ट ने मनमोहन सिंह

को समन जारी किया। कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई द्वारा मामले को बंद करना अनुचित था, क्योंकि मनमोहन सिंह उस समय कोयला मंत्रालय के प्रभारी थे और इस मामले में प्राइम फेसी साक्ष्य मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट ने मनमोहन सिंह के खिलाफ समन आदेश पर रोक लगा दी थी, लेकिन जस्टिस मदन लोकुर की अगुवाई वाली पीठ ने पूर्व कोयला राज्य मंत्री संतोष बागरोडिया के खिलाफ समन जारी करने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि उनकी याचिका की सुनवाई मनमोहन सिंह की याचिका के साथ 2 सितंबर 2015 को की जाएगी।

मनमोहन सिंह की याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चिंतित वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तत्कालीन सीजेआई एच एल दत्तू से स्पष्टीकरण मांगा कि मनमोहन सिंह की याचिका को कोयला घोटाले से संबंधित मामलों के साथ क्यों रखा गया है। सिब्बल ने पीसी अधिनियम की धारा 13(1)(डी) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी। सीजेआई दत्तू ने सिब्बल से सहमति जताई और मनमोहन सिंह की याचिका को बागरोडिया की याचिका से अलग करने का आदेश दिया। सीजेआई दत्तू की अगुआई वाली पीठ ने कहा कि मनमोहन सिंह की याचिका को तभी सूचीबद्ध किया जाएगा जब उनके वकील दलीलों के पूरा होने के बाद सुनवाई की मांग करेंगे। अपने रिटायरमेंट के काफी समय बाद न्यायमूर्ति दत्तू ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में यह कहा था कि वह इस संभावना को नहीं मान सकते थे कि एक बेहद साफ-सुथरे पूर्व प्रधानमंत्री को ऐसे मामले में आरोपी के रूप में खड़ा होना पड़े, जो उनके पार्टी के राजनीतिक फैसलों से जुड़ा हो। अब यह याचिका निरर्थक हो गई है, क्योंकि मनमोहन सिंह का निधन हो चुका है।

पूर्व पीएम की मृत्यु पर राजनीति कर रही कांग्रेस, राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

नईदिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी द्वारा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के अपमान किए जाने के आरोपों पर भाजपा ने जवाब दिया है। भाजपा की तरफ से कहा गया कि राहुल गांधी की वजह से आज भारतीय राजनीति का एक निचला दौर आया है। उनके इन आरोपों में कोई भी सच्चाई नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने को लेकर पहले ही बात हो चुकी है और इसके बारे में उनके परिवार और कांग्रेस पार्टी को भी सूचित किया जा चुका था। राहुल गांधी के गलत आरोपों का ही नतीजा है कि आज एक पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के बाद भी हमें प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ रही है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि जिस समय एम्स की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री के निधन के बारे में बुलेटिन जारी किया गया उसके बाद कैबिनेट की बैठक में पूर्व पीएम के कद के हिसाब से एक स्मारक बनाने

का निर्णय लिया गया था। इसके बारे में कांग्रेस पार्टी और पूर्व पीएम के परिवार को भी सूचित कर दिया गया था। लेकिन फिर भी कांग्रेस पार्टी ने भ्रामक राजनीति का प्रदर्शन करते हुए झूठे आरोप लगाए। कांग्रेस पार्टी ने एक पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर यह जो ओछी राजनीति का प्रदर्शन किया है। यह वाकई में बहुत दुखद है। पात्रा ने कहा कि कोई भी स्मारक बनाने के पहले एक प्रक्रिया का पालन करना पड़ता है। लेकिन अंत्येष्टि के लिए इंतजार नहीं किया जा सकता। ऐसे में कांग्रेस पार्टी की तरफ से यह कहना की निगमबोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार करवाकर उनका अपमान किया गया है यह सरासर गलत है। पात्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस बात में विश्वास नहीं रखती की वो किस पार्टी के थे। वह इस देश के प्रधानमंत्री रहे थे। भारतीय जनता पार्टी इस तरह की ओछी राजनीति नहीं करती।

कांग्रेस पार्टी ने किया पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान

भाजपा के प्रवक्ता ने राहुल गांधी के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि आज वह भाजपा के ऊपर झूठे आरोप लगा रहे हैं। लेकिन डॉक्टर मनमोहन सिंह के जीवित रहते उनका सबसे बड़ा अपमान कांग्रेस पार्टी ने ही किया है। राहुल गांधी ने ही किया है। देश आज भी भूला नहीं है कि कैसे कैबिनेट द्वारा पारित किए गए एक बिल को अहंकार में डूबे राहुल गांधी ने फाड़कर फेंक दिया था। यह उनका अहंकार ही था दुनिया को दिखाने के लिए कि मैं ही सबसे ऊपर हूं। इससे पहले लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान किया है।

पीएम मोदी से मिले विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन और भारत के गौरव डी गुकेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शनिवार को मुलाकात की। पीएम मोदी ने गुकेश को बधाई देते हुए कहा, मेरी उनके साथ शानदार बातचीत हुई! मैं पिछले कुछ सालों से उनके साथ निकटता से बातचीत कर रहा हूं, और उनके बारे में जो बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण। उनका आत्मविश्वास वाकई प्रेरणादायक है। दरअसल, मुझे कुछ साल पहले उनका एक वीडियो याद है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनेंगे - एक भविष्यवाणी जो अब उनके अपने प्रयासों की बदौलत सच साबित हुई है। उल्लेखनीय है कि सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन, 18 वर्षीय डी गुकेश ने सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया था। गुकेश महान विश्वनाथन आनंद के नक्शेकदम पर चलते हुए यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। पीएम मोदी ने कहा,आत्मविश्वास के साथ-साथ गुकेश में शांति और विनम्रता भी है। जीतने के बाद, वह शांत था, अपनी महिमा में डूबा हुआ था और इस कठिन जीत को कैसे प्राप्त किया जाए, यह पूरी तरह से समझता था।

मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने को लेकर बवाल, तेलंगाना सरकार पर भड़का विहिप

हैदराबाद, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद की तेलंगाना प्रदेश इकाई ने मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने संबंधी राज्य सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया। विहिप ने एक बयान में आरोप लगाया कि यह अक्षय ऊर्जा पहल की आड़ में मंदिर की जमीन हड़पने की एक चाल है। साथ ही, मांग रखी कि सरकार इस प्रस्ताव को तुरंत वापस ले, जो मंदिर की संपत्तियों के निजीकरण का नवीनतम प्रयास है। बयान में कहा गया कि सरकार मंदिर की जमीन की केवल संरक्षक है, न कि इसकी मालिक और यह ऐसा तथ्य है जिसे अदालतों ने बार-बार बरकरार रखा है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष सरकारों ने मंदिर के मामलों को नियंत्रित करने के लिए अपनी शक्ति का लगातार दुरुपयोग किया है, जिसके कारण अरबों रुपये की मंदिर की संपत्ति का कुप्रबंधन और नुकसान हुआ है। विहिप ने राज्य सरकार पर 1987 के अधिनियम का उपयोग करके मंदिर की संपत्तियों को सरकारी संपत्ति में बदलने और बाद में निजी व्यक्तियों को जमीन के विशाल हिस्से को बेचने का आरोप लगाया। विहिप ने कहा कि सरकार ने अपनी परियोजनाओं के लिए मंदिरों की भूमि पर भी अतिक्रमण किया है, जैसा कि हैदराबाद आउटर रिंग रोड के लिए हजारों एकड़ भूमि के अधिग्रहण से स्पष्ट है। विहिप ने मंदिरों को शून्य बजट आवंटित करने और मंदिरों की आय पर 15 प्रतिशत कर लगाने के लिए सरकार की आलोचना की। विहिप ने सरकार से सौर संयंत्र के प्रस्ताव को वापस लेने और मंदिर की संपत्तियों की स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करने को कहा।

सीबीआई कोर्ट ने पेरिया दोहरे हत्याकांड में 14 आरोपियों को दोषी ठहराया, 10 बरी

कोच्चि, एजेंसी। शनिवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील पेरिया जुड़वां हत्याकांड में चौदह आरोपियों को दोषी ठहराया, जिनमें से अधिकतर कथित सीपीआई (एम) कार्यकर्ता हैं, जिनमें पूर्व उदुमा विधायक के.वी. कुंजुरामन भी शामिल हैं. सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एन. शेषाद्रिनाथन ने उन्हें दोषी पाया, साथ ही 10 अन्य को भी बरी कर दिया क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा. जिन लोगों को अदालत ने दोषी पाया है, वे हैं पीतांबरन (पहला आरोपी), साजी

जॉर्ज (दूसरा आरोपी), सुरेश (तीसरा आरोपी) अनिलकुमार (चौथा आरोपी) जिजिन (पांचवां आरोपी) श्रीराग (छठा आरोपी), अश्विन (सातवां आरोपी) सुधीश (आठवां आरोपी), रेन्जिथ (नौवां आरोपी) सुरेंद्रन (दसवां आरोपी) मणिकंदन (14वां आरोपी), के.वी. कुंजुरामन (20वां आरोपी), वेलुथोली राघवन (21वां आरोपी) और एवी. भास्करन (22वां आरोपी) अदालत ने आरोपियों को हत्या, गैरकानूनी सभा, आपराधिक साजिश, दंगा और गलत तरीके से रोकने सहित विभिन्न अपराधों का दोषी पाया. आरोपियों को सजा 3 जनवरी को सुनाई जाएगी. कुंजुरामन और तीन अन्य को आईपीसी की धारा 225 के तहत किसी व्यक्ति की वैध गिरफ्तारी में बाधा डालने या विरोध करने के अपराध का दोषी पाया गया. अभियोजन पक्ष का मामला यह था कि राजनीतिक दुश्मनी के कारण कन्नडिप्पारा, कल्लियोट, पेरिया में माकपा कार्यकर्ताओं ने दोनों की बेरहमी से हत्या कर दी थी. आरोपियों ने 14 फरवरी, 2019 को पेरिया के इचिलाडुक्कम बस स्टॉप पर आपस में मिलकर युवा कांग्रेस नेताओं कृपेश (21) और सरथ लाल (23) की हत्या की साजिश रची. यह हमला कथित तौर पर मुन्नद कॉलेज में एसएफआई और केएसयू कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के सिलसिले में हुआ था. मामले की जांच करने वाली सीबीआई के अनुसार, इलाके के लोगों के बीच भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए सरथ लाल और कृपेश के सक्रिय काम को रोकने के लिए हत्या की गई थी. पहले इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश के. कामनीस के समक्ष हुई थी, जो बाद में त्रिशूर की अदालत में चले गए. वाई. बॉबी जोसेफ इस मामले में सीबीआई के विशेष अभियोजक थे. इस मामले की शुरुआत में क्राइम ब्रांच ने जांच की थी, लेकिन मारे गए बच्चों के माता-पिता द्वारा केरल उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के बाद इसे सीबीआई को सौंप दिया गया. सीबीआई जांच का आदेश देने वाले उच्च न्यायालय ने होसदुर्ग ट्रायल कोर्ट में क्राइम ब्रांच द्वारा दायर आरोपपत्र को भी खारिज कर दिया था. केरल उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई की याचिका का विरोध करने वाली राज्य सरकार की याचिकाओं को खारिज कर दिया. इस दोहरे हत्याकांड के बाद सीपीआई(एम) और राज्य सरकार की कड़ी आलोचना हुई थी.

असमान उछाल में बल्लेबाजी करना मुश्किल हो सकता है: मार्नस लाबुशेन

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले मार्नस लाबुशेन ने रविवार को यहां कहा कि भारत के लिए ऐसे विकेट पर लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो सकता है जिसमें

असमान उछाल है। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट पर 228 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो गई है।

लाबुशेन ने सर्वाधिक 70 रन बनाए जबकि निचले क्रम में पैट कमिंस (41), नाथन लियोन (नाबाद 41) और स्कॉट बोलैंड (नाबाद 10) ने उपयोगी योगदान दिया। लाबुशेन से जब पूछा गया कि पांचवें दिन पिच का व्यवहार कैसा होगा, उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है की पहली पारी में पिच से कुछ मूवमेंट मिल रहा था। निश्चित रूप से पहले 40 से 50 ओवर तक रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उछाल कम और असमान हो गई। इसलिए हमने देखा कि अधिकतर गेंद विकेट को निशाना बनाकर की गई।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट: जसप्रीत बुमराह ने पूरे किए 200 विकेट

मेलबर्न, एजेंसी। महान तेज गेंदबाजों की सूची में शामिल हो चुके भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बार्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे मैच की तीसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेलते हुए लगातार दो ओवर में 3 विकेट झटके। उन्होने 34 वें ओवर की दूसरी गेंद पर ट्रेविस हेड को शॉर्ट मिड विकेट पर खड़े नीतीश रेड्डी के हाथों कैच कराकर अपने करियर का 200वां विकेट पूरा किया। ट्रेविस हेड ने 3 गेंदों पर मात्र 1 रन बनाया।

इसके बाद उन्होंने इसी ओवर की आखिरी गेंद पर मिचेल मार्श को बाहर जाती गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटक दिया। इसके अगले ही ओवर में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को छठवां झटका देते एलेक्स कैरी को बोल्ड कर दिया। एक समय ऑस्ट्रेलिया का जो स्कोर 32 ओवर में 80/2 था, वह खबर लिखे जाने तक 39 ओवर में 102/6 हो गया। मार्नस लाबुशेन 99 गेंदों में 48 रन व कप्तान पैट कमिंस 11 गेंदों में 5 रन बनाकर खेल रहे हैं।

जसप्रीत बुमराह ने इस मैच की ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 13 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट झटके। 200 से ज्यादा विकेट वाले गेंदबाजों की सूची में बुमराह का औसत दुनिया में सबसे अच्छा हो गया। उन्होंने अपने करियर में 19.5 की शानदार औसत से 202 विकेट लिए हैं। औसत के मामले में उनके बाद ऑल टाइम लीजेंड मैल्कम मार्शल, जोएल गार्नर, और कर्टली एम्ब्रोस हैं। जिनका औसत क्रमशः 20.0, 21.0, 21.0 है।

इससे पहले चौथे दिन का खेल शुरू होने के बाद भारत ने अपनी पारी में 116 ओवर में 358/9 से आगे शुरू की। दिन का खेल शुरू होने के बाद भारत की पारी मात्र 11 रन जुड़ने के बाद सिमट गई। शतकवीर नीतीश रेड्डी 114 रन बनाकर नाथन लायन की गेंद पर मिचेल स्टार्क को कैच दे बैठे। अंतिम बल्लेबाज मोहम्मद सिराज 4 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की पहली पारी ऑल आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

पारी के छठवें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में डेब्यू कर रहे सैम कांस्टास को 8 रन के निजी योग पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में छोटा-छोटा योगदान दिया। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने सिराज की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 21 रन की पारी खेली। इसके अलावा स्टीव स्मिथ ने सिराज की ही गेंद पर पंत के हाथों कैच होने से पहले 13 रन का योगदान दिया। बाकी कोई भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दोहरे अंक का आंकड़ा नहीं छू सका।

ऑस्ट्रेलिया की आखिरी जोड़ी ने टीम इंडिया को पिलाया पानी

333 रनों की हुई बढ़त

मेलबर्न, एजेंसी। बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट नहीं कर पाई। 91 रनों पर 6 विकेट गिरने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट पर 228 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया की आखिरी जोड़ी अभी तक 110 गेंदों का सामना कर चुकी है।

लायन 41 और बोलैंड 10 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 55 रनों की साझेदारी हो चुकी है। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 474 तो भारत ने 369 रन बनाए थे। इस तरह ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 333 रनों की हो चुकी है।

100 के अंदर गिर गए थे 6 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और सलामी सैम कोंस्टास सिर्फ 8 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए। उस्मान ख्वाजा (21) भी ज्यादा समय तक क्रीज पर नहीं टिक पाए। स्टीव स्मिथ और लाबुशेन के बीच 37 रनों की साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 80 रन पर दो विकेट था। इसके बाद 11 रन बनाने में टीम के चार विकेट गिर गए। स्मिथ को सिराज ने आउट किया। इसके बाद बुमराह ने एक ही ओवर में हेड (1) और मार्श (0) को पवेलियन भेजा। कैरी भी 2 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए।

अर्शदीप सिंह आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकित

दुबई, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए चुना गया है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीता था। अर्शदीप सबसे छोटे प्रारूप के वार्षिक सम्मान के लिए जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम से मुकाबला करेंगे। जसप्रीत बुमराह के चुनिंदा टी20 प्रदर्शनों ने अर्शदीप को इस प्रारूप में भारत के मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने का मौका दिया है। अर्शदीप ने 2022 में 18 मैचों में 36 विकेट लिए, जो भुवनेश्वर कुमार के 37 से सिर्फ़ एक पीछे है, लेकिन काफी कम मैचों में। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की कमी को पूरा करते हुए अर्शदीप ने सभी परिस्थितियों में मैच जीतने वाले प्रदर्शन किए, जिसमें भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। उनका सबसे बेहतरीन पल फाइनल में आया, जहां उन्होंने एडेन मार्करम और क्विंटन डी कॉक को आउट किया और 19वां ओवर फेंका, जिससे रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने दूसरा टी20 खिताब जीता।

रज़ा जिम्बाब्वे के लिए चमकते रहे, लगातार तीसरे साल शॉर्टलिस्ट में जगह बनाई। 39 वर्षीय ऑलराउंडर ने पुरुष टी20 विश्व कप उप-क्षेत्रीय अफ्रीका क्वालीफायर ग्रुप बी में अपनी टीम को अजेय रन पर पहुंचाया, जिसमें उन्होंने 199 रन बनाए और 10 विकेट लिए।

उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन इस वर्ष जुलाई में टी20 सीरीज में भारत के खिलाफ रहा, जहां उन्होंने मुश्किल पिच पर 25 रन देकर 3 विकेट लिए और 13 रन से जीत सुनिश्चित की, तथा महत्वपूर्ण साझेदारियों को तोड़कर उलटफेर की पटकथा लिखी। बाबर 2023 में पाकिस्तान के सबसे ज़्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, उन्होंने छह अर्द्धशतक लगाए और 133.21 की स्ट्राइक रेट बनाए रखी। वह रोहित शर्मा को पछाड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के करीब हैं। आयरलैंड के खिलाफ़ 42 गेंदों पर 75 रनों की उनकी बेहतरीन पारी ने पाकिस्तान को सीरीज़ जीतने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के हेड ने 2024 में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, 178.47 की स्ट्राइक रेट से 539 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। वह टी20 विश्व कप में 255 रन बनाकर तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। इंग्लैंड के खिलाफ़ पावरप्ले में 23 गेंदों पर 59 रनों की उनकी धमाकेदार पारी ने ऑस्ट्रेलिया को साउथम्प्टन में शानदार जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप से बाहर होने के बावजूद, हेड के लगातार प्रदर्शन ने उन्हें एक बेहतरीन टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया।

मैं हाईकोर्ट जाऊंगा

लिखित जवाब चाहूंगा कि मुझे खेल रत्न पुरस्कार क्यों नहीं मिल रहा: योगेश कथुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने कहा कि वह खेल मंत्रालय से लिखित जवाब मांगने के लिए हाईकोर्ट जाएंगे कि प्रतिष्ठित सम्मान के लिए मानदंड पूरा करने के बावजूद उन्हें खेल रत्न पुरस्कार के लिए पात्र क्यों नहीं बनाया गया। टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले पैरा डिस्कस थ्रोअर खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित न किए जाने से निराश हैं।

कथुनिया ने शनिवार को आईएएनएस को बताया, ÷यह खेल मंत्रालय के साथ मामला है, लेकिन उन्होंने अभी तक मुझसे संपर्क नहीं किया है। यह स्पष्ट पक्षपात है, जिन खिलाड़ियों का पीआर अच्छा है, उन्हें पुरस्कार मिल रहा है। वे हमारे जैसे खिलाड़ियों की अनदेखी करते हैं। इस तरह का व्यवहार एक ऐसे एथलीट के लिए निराशाजनक है, जिसने अपने जीवन के आठ साल देश को दिए हैं। भले ही मैं अपने लिए खेल रहा हूं, लेकिन मैं भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। अगर मैं हारता हूं, तो भारत हारेगा और अगर मैं जीतता हूं, तो भारत जीतेगा। नवंबर 2021 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाले कथुनिया ने खेल मंत्रालय से अपनी चूक के पीछे स्पष्टीकरण मांगने के लिए मामले को अदालत में ले जाने का मन बना लिया है।

कथुनिया ने कहा, मैं अगले साल का इंतजार नहीं करूंगा और हाईकोर्ट जाऊंगा और मामला दर्ज कराऊंगा। मेरे पास सबसे अधिक अंक हैं और मैं लिखित जवाब चाहता हूं कि मुझे यह क्यों नहीं मिल रहा है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया था और एथलीटों को खेल रत्न देने के मानदंडों पर सवाल उठाए थे। पैरालंपिक में दो रजत पदक, पैरा-एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में दो रजत और एक कांस्य तथा एशियाई पैरा खेलों में एक रजत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक छह पदक जीत चुके कथुनिया अपनी उपलब्धियों के लिए मान्यता न मिलने से हैरान हैं। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा था, मैं आपको बताना चाहूंगा कि जब मैंने पुरस्कारों की सूची देखी, तो मेरा नाम सूची में नहीं था।

अगर आप देखें, तो बहुत से लोगों को बहुत पहले ही खेल रत्न मिल चुका है, जिनके अंक इतने अधिक नहीं हैं। मैं 2-3 साल से लगातार आवेदन भर रहा हूं। मेरे पास विश्व चैंपियनशिप में तीन पदक, एशियाई खेलों में एक पदक तथा पेरिस पैरालंपिक और टोक्यो पैरालंपिक में एक-एक पदक हैं। तो, इस हिसाब से मेरे अंक भी बहुत अधिक हैं।

वेटलिफिटिंग:

भारतीय युवा भारोत्तोलकों की नजरें राष्ट्रमंडल खेल क्वालिफिकेशन पर

नईदिल्ली, एजेंसी। महिला जूनियर प्लस 87 वर्ग में रजत पदक जीतने वालीं मेइबाम मार्टिना देवी ने कहा, 2025 में राष्ट्रमंडल खेल 2026 के ट्रायल शुरू होंगे। अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप क्वालिफायर टूर्नामेंट है।

दोहा में एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के पदक विजेता युवाओं की नजरें नए साल में नई ऊंचाइयों को छूने पर लगी है। भारत ने 19 से 25 दिसंबर तक हुए टूर्नामेंट में 33 पदक जीते। अब खिलाड़ियों का लक्ष्य ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालिफाई करना है।

राष्ट्रीय भारोत्तोलन कोच और ओलंपियन मीराबाई चानू के मेंटोर विजय शर्मा ने कहा कि दोहा के प्रदर्शन से भविष्य उज्जवल रहने के संकेत मिले हैं। दोहा में पदक जीतने वाले भारत के 24 खिलाड़ियों में से 22 खेलो इंडिया से निकले थे। पूरे दल ने भारतीय खेल प्राधिकरण के पटियाला, इम्फाल और औरंगाबाद स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में अभ्यास किया।

भावी योजना के बारे में महिला जूनियर प्लस 87 वर्ग में रजत पदक जीतने वालीं मेइबाम मार्टिना देवी ने कहा, 2025 में राष्ट्रमंडल खेल 2026 के ट्रायल शुरू होंगे। अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप क्वालिफायर टूर्नामेंट है। इसके अलावा मैं उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भी भाग लूंगी। पुरुषों में एनआईएस पटियाला में शिविर में भाग लेने वाले साइराज परदेशी ने कहा, मैंने 2018 में 12 वर्ष की उम्र में महाराष्ट्र में ट्रेनिंग शुरू की थी।

कोरोना लॉकडाउन तक वहां अभ्यास किया और 2021 में औरंगाबाद आ गया। उन्होंने कहा, इसी साल मैं एनआईएस पटियाला आया। साइ केंद्रों का मेरे कॅरिअर में बहुत योगदान रहा है। चाहे अनुशासन की बात हो, खुराक, कोचों या कई अन्य पहलुओं में भी।

नस्लवादी घटना के बाद अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को ब्राजील में रिहा किया गया

साओ पाउलो, एजेंसी। साओ पाउलो में कैरांडिरू जेल के बाहर एक दस्तावेज में चारों फुटबॉल खिलाड़ियों के नाम प्रकाशित किए गए थे जिन्हें शुक्रवार देर रात रिहा किया गया।

साओ पाउलो राज्य के जेल प्रशासन सचिवालय ने कहा कि रिवर प्लेट महिला फुटबॉल टीम की चार खिलाड़ियों को रिहा कर दिया गया है जिन्हें एक मैच के दौरान कथित नस्लीय अपशब्द बोलने के लिए गिरफ्तार किया गया था। न्यायाधीश फर्नांडो ओलिवेरा कैमार्गो ने अर्जेंटीना की फुटबॉल खिलाड़ियों कैंडेला डियाज, कैमिला डुआर्टे, जुआना कैंगारो और मिलाग्रोस डियाज को शुक्रवार को इस शर्त पर जेल से रिहा कर दिया कि वे मामले के खत्म होने तक हर महीने साओ पाउलो की अदालत में पेश होंगी।

साओ पाउलो में कैरांडिरू जेल के बाहर एक दस्तावेज में चारों फुटबॉल खिलाड़ियों के नाम प्रकाशित किए गए थे जिन्हें शुक्रवार देर रात रिहा किया गया। अर्जेंटीना की खिलाड़ी क्रिसमय के दौरान जेल में थीं। खिलाड़ियों के वकील और क्लब ने शनिवार को यह खुलासा नहीं किया कि वे स्वदेश लौट गई हैं या नहीं।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों पर खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया: जोकोविच

ब्रिसबेन, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल में भाग लेंगे।

इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'बिसबेन इंटरनेशनल के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं।

हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है। उन्होंने कहा, 'कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।

कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास, दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब अपने नाम किया

यूयॉर्क, एजेंसी। हम्पी ने इस जीत के साथ भारतीय शतरंज के लिए इस साल का अंत शानदार अंदाज में किया। उनकी यह उपलब्धि खास रही। हम्पी से पहले डी गुकेश ने इतिहास रचा था।

भारत की ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। हम्पी ने इससे पहले 2019 में जॉर्जिया में यह प्रतियोगिता जीती थी। भारत की यह नंबर एक महिला शतरंज खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से ज्यादा बार यह खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। वह ऐसा करने

वाली भारत की पहली महिला शतरंज खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए एक निर्णायक जीत थी। उन्हें चैंपियनशिप जीतने के लिए में सिर्फ जीत की ही दरकार थी।

ड्रॉ या हार से उनका सपना टूट जाता। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बाद मुर्जिन दूसरे सबसे कम उम्र के स्न्ढ्ढष्ठश्व वर्ल्ड रैपिड चैंपियन हैं। नोदिरबेक ने 17 साल की उम्र में खिताब जीता था।

हीरा उगलती धरती पन्ना और विकास की दिशा

पन्ना। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर देश की समृद्धि निर्भर करती है। मध्य प्रदेश का पन्ना जिला, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और हीरे की खदानों के लिए प्रसिद्ध होने के बावजूद आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। यहां की औसत वार्षिक आय राष्ट्रीय स्तर की तुलना में काफी कम है। इसी पृष्ठभूमि में केंद्रीय विद्यालय के छात्र लक्ष्य मिश्रा द्वारा 150 लोगों पर आधारित एक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें पन्ना की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा की गई। पन्ना की आर्थिक स्थिति का आंकलन पन्ना की जनसंख्या लगभग 10 लाख है, जिसमें से 80 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। इसे 2006 में देश के पिछड़े जिलों की सूची में शामिल किया गया था। यहां मुख्य समस्याओं में प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग न होना, शिक्षा की कमी, औद्योगिकीकरण का अभाव, कृषि समस्याएं, और प्राकृतिक आपदाएं जैसे सूखा व अनियमित मानसून शामिल हैं। साक्षरता दर मात्र 65 प्रतिशत है और मध्यम तथा बड़े उद्योगों की भारी कमी है। सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष लक्ष्य मिश्रा द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष निकला कि पन्ना में स्वरोजगार की प्रबल इच्छा तो है, लेकिन पूंजी की कमी इसका मुख्य अवरोध है। 55 प्रतिशत प्रतिभागियों ने महंगाई को प्रमुख समस्या बताया, जबकि 76.5 प्रतिशत लोगों ने औद्योगिकीकरण की कमी को विकास में बाधा माना। वहीं, 94.4 प्रतिशत प्रतिभागियों ने पर्यटन को विकास का एक मजबूत साधन माना। कम आय के प्रमुख कारण पन्ना में कम वार्षिक आय के पीछे कई कारण हैं। इनमें शिक्षा और कौशल की कमी, रोजगार के सीमित अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का गलत उपयोग, और सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव शामिल हैं। इन समस्याओं के कारण न केवल लोगों की आय कम है, बल्कि उनकी जीवनशैली भी प्रभावित हो रही है। आर्थिक स्थिति सुधारने के उपाय पन्ना की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय हैं, जैसे कि शिक्षा और कौशल विकास के तहत युवाओं और महिलाओं को डिजिटल व तकनीकी शिक्षा देने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना। कृषि सुधार के लिए सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाना और जैविक तथा व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। औद्योगिकीकरण और उद्यमिता के लिए छोटे उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना और युवाओं को स्टार्टअप के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना महत्वपूर्ण है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पन्ना राष्ट्रीय उद्यान और हीरा खदानों को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को लाभ दिलाना भी जरूरी है। निष्कर्ष पन्ना प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन की संभावनाओं से भरपूर है, लेकिन आर्थिक रूप से पिछड़ा है। शिक्षा, कौशल विकास, औद्योगिकीकरण, कृषि सुधार और पर्यटन के ठोस कदमों से इसकी आय और जीवन स्तर में सुधार संभव है।

कल्दा उत्तर माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुई ओलंपियाड परीक्षा

पन्ना। राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश के द्वारा सोमवार को प्रदेश भर में ओलंपियाड परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा 2 से लेकर 8 तक के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक दो से पांच एवं 11 से 2:00 बजे तक 6 से 8 तक संपन्न हुई। पूरे संकुल की परीक्षा कल्दा उत्तर माध्यमिक शाला में में करवाई गई इसी कड़ी में विद्यार्थियों ने परीक्षा दी इस केंद्र में कुल 616 विद्यार्थी दर्ज थे, 127 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र प्रभारी प्रचार मनोहर सिंह थे एवं जन शिक्षा केंद्र प्रभारी बिहारी सिंह एवं राजाराम कोल रहे। परीक्षा में बृजपाल सिंह हरि सिंह सीताराम प्रजापति पल्लवी चौरसिया कंचन माया डोंगरे नम्रता गौतम शालिनी शिवानी चौरसिया रीना सिंह इंद्र कुमार शर्मा प्रितपाल सिंह राधा चरण अवधिया रोहिणी प्रजापति दीपक तिवारी तिलक सिंह आदि की सराहनीय योगदान रहा।

महिलाओं को खून बढ़ाने के लिए स्त्री रोग डॉक्टर नीलम पटेल ने दिए प्रमुख सुझाव

गर्भधारण के दौरान महिलाओं के साथ परिवार के लोग न करें कलह

पन्ना। मध्य प्रदेश के जिला अस्पताल पन्ना में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीलम पटेल ने जानकारी देते हुए बतलाया कि महिलाओं में खून की कमी गर्भधारण के दौरान ज्यादा बनती है। महिलाओं को खून की कमी से यदि बचाना है तो उनके परिवार के लोगों को सबसे पहले चाहिए कि गर्भधारण के दौरान महिला के साथ किसी भी प्रकार का कलह संबंधी व्यवहार ना करें, हमेशा गर्भवती महिला को प्रसन्न रखने का प्रयास करें। इसके साथ ही स्त्री रोग डॉक्टर नीलम पटेल ने यह भी बताया कि जैसे ही गर्भधारण महिला करती है उसे आयरन फोलिक एसिड दवा का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लेते रहना चाहिए। साथ ही घर पर गुड़ चना मूंगफली, पत्तेदार हरि सब्जी का नियमित सेवन करना चाहिए । इसके साथ ही छुहारा दाख (किशमिश) को दूध में डालकर नियमित सेवन करने से गर्भ में रहने वाला बच्चा जहां स्वस्थ रहता है, वही गर्भवती महिला की खून की मात्रा अच्छी बनी रहती है। स्त्री रोग डॉक्टर नीलम पटेल ने बताया कि कम उम्र में गर्भधारण करना एवं अधिक उम्र में गर्भधारण करना दोनों महिलाओं के लिए घातक होता है , इससे महिलाओं को खून की कमी के साथ ही कई गंभीर समस्याओं से गुजरना पड़ता । इसलिए जो उचित समय अवधि है उस अवधि में गर्भ धारण करें और विषय विशेषज्ञ महिला डॉक्टर की सलाह से खानपान तथा दवा का सेवन करें। स्त्री रोग डॉक्टर नीलम पटेल ने यह भी कहा कि गर्भपात की गोलियां जो लोग बिना स्त्री रोग डॉक्टर के परामर्श के लेते हैं ऐसी महिलाओं को भी कई बार हाई ब्लीडिंग होने के कारण जान भी चली जाती है और कई बार खून की भारी कमी बन जाती है। इसलिए गर्भपात के लिए डायरेक्ट कभी भी मेडिकल से दवा नहीं खरीदें । गर्भपात की दवा खाने से पहले विषय विशेषज्ञ स्त्री रोग डॉक्टर का परामर्श जरूर प्राप्त करें , इसके बाद ही किसी भी प्रकार की दवा का सेवन गर्भपात के लिए महिलाओं को करने दे। डॉक्टर नीलम पटेल ने कहा कि सोमवार से शनिवार के बीच हॉस्पिटल में सुबह से दोपहर 2:00 तक महिलाएं किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं उनको उचित सुझाव हमेशा प्राप्त होगा।

बालात्कार के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

पन्ना। फरियादिया द्वारा थाना अजयगढ़ में आरोपी के विरूद्ध बालात्कार की रिपोर्ट की गई। रिपोर्ट पर थाना अजयगढ़ में आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 623/24 कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी अजयगढ़ उनि रवि सिंह जादौन द्वारा मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई। पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस. थोटा द्वारा मामले को गंभीरता से लिया गया। मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार एक पुलिस टीम का गठन अजयगढ़ थाना स्तर पर किया गया।

पुलिस टीम की सहायतार्थ कार्यवाही हेतु पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना को पुलिस टीम में शामिल किया गया। मामले में गठित पुलिस टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की तलाश पतारसी हेतु लगातार प्रयास किये गये। पुलिस टीम द्वारा मामले में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना से मिली जानकारी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम द्वारा फरियादिया की रिपोर्ट के 24 घण्टे के अन्दर मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जिला जेल पन्ना भेजा गया है मामले में विवेचना जारी है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अजयगढ़ के अलावा चौकी प्रभारी हनुमतपुर उनि सावित्री राजपूत, प्र.आर. संतोष तोमर, मनीष विश्वकर्मा, शंकर प्रताप सिंह बुन्देला, आर. भूरी सिंह, सुशील मिश्रा, महेश एवं पुलिस सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

प्रोफेशनल बोर्ड मे आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता संपन्न हुई

पन्ना। शहर के संकल्प गार्डन में पन्ना पावरलिफ्टिंग फेडरेशन के बैनर तले प्रोफेशनल आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज गुप्ता के द्वारा हनुमान जी के विग्रह पर पुष्प हार करके एवं दीप प्रज्वलित करके आर्म रैसलिंग के नए बोर्ड का पूजन करके किया गया। इस प्रतियोगिता में वे बतौर मुख्य अतिथि भी शामिल हुए थे फेडरेशन के सचिव निखिल सोनी ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता पन्ना में पहली बार आयोजित की गई है। प्रोफेशनल बोर्ड मे बच्चों को आर्म रैसलिंग के द्वारा अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ यह बोर्ड मैंने बाहर से स्पेशली आरम रेसलिंग के लिए मंगवाई है। इस प्रतियोगिता में पन्ना के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र की युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें देवेंद्रनगर से प्रिंस सिसोदिया पिता राकेश सिसोदिया गोल्ड, ज्योतेंद्र खटीक पिता अशोक खटीक सिल्वर और राजनगर से अब्बास खान गोल्ड और पन्ना से जीशान खान सिल्वर, सार्थक सिंह सिल्वर, रोहित यादव गोल्ड, ऋतिक बेन सिल्वर, रोहित बेन गोल्ड, आर्यन सिंह भदोरिया गोल्ड, मेडलिस्ट रहे चैंपियन ऑफ़ चैंपियंस स्ट्रांग आरम मैन का खिताब रोहित बेन ने कड़े संघर्ष के बाद अपने नाम किया सभी प्रतिभागियों ने अपना दम खम दिखाते हुवे सारे मैडल्स अपने नाम किये इस प्रतियोगिता में नेशनल प्लेयर प्रद्युम्न जोशी, राघवेंद्र राजावत और सूर्यांश यादव रेफरी थे जिन्होंने काफी मुस्तेदी से अपना कार्य किया और विजेताओं का नाम घोषित किया फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि यह अपने प्रकार की पहली प्रतियोगिता पन्ना में संपन्न हुई है और विगत दो वर्षों से हमारी फेडरेशन पन्ना में पावरलिफ्टिंग, मेंस फिजिक, और आर्म रैसलिंग की प्रतियोगिता कराती आ रही है और प्रतिवर्ष इसी प्रकार से युवाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए हमारी फेडरेशन मंच प्रदान करती रहेगी अभी तक हमारे फेडरेशन के माध्यम से कई प्लेयर स्टेट और नेशनल लेवल की प्रतियोगिताएं खेल चुके हैं और इस प्रकार लगातार पन्ना की युवाओं को हमारी फेडरेशन अवसर प्रदान करते रहेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर 7 दिवस का राष्ट्रीय शोक

पन्ना। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर 7 दिवस का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। इस दौरान 26 दिसम्बर से 1 जनवरी तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। शासकीय रूप से सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन नहीं होगा। इसके अलावा शासकीय मंचीय कार्यक्रम, स्वागत, भाषण, अतिथियों के माध्यम से हितलाभ वितरण इत्यादि के समारोह भी नहीं होंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शिविर इत्यादि का आयोजन किया जा सकेगा।

लापता लोको पायलट की पवई की चांदा घाटी में मिली लाश

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राजेन्द्र निवासी लोको पायलट जितेन्द्र चौरसिया पिता वीरेन्द्र चौरसिया (32) निवासी किशोर गंज गढ़ीमलहरा जिला छतरपुर की मंगलवार को पन्ना जिले के पवई थाना अंतर्गत पवई से 8 किलोमीटर दूर चांदा घाटी में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पवई पुलिस के मुताबिक पृथद दृष्टया लोको पायलट की हत्या कर शव फेंकने का मामला लग रहा है। मृतक के सिर में चोट के निशान थे। पवई पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौंप दिया। पवई थाना प्रभारी वहीद खान ने बताया कि आगामी कार्रवाई के लिए डायरी कटनी पुलिस को दी जाएगी। मृतक लोको पायलस सतना रेलवे स्टेशन में पदस्थ था। मृत लोको पायलट के परिजन ने सिटी कोतवाली और फिर कटनी जिले के कोतवाली थाने में भी गुमसुदगी दर्ज कराई थी। मृतक लोको पायलट जितेन्द्र चौरसिया के पिता ने 22 दिसंबर को कटनी जिले के कोतवाली थाने में गुमसुदगी दर्ज कराई थी। कटनी पुलिस के मुताबिक 21 दिसंबर को रात 8 बजे लोको पायलट जितेन्द्र चौरसिया पत्नी अनामिका से यह कहकर निकला था कि दोस्त धर्मेन्द्र चौरसिया के साथ बोलेरो क्रमांक एमपी 04 जेडबी 7337 से जा रहा हूं। 22 दिसंबर को सुबह तक जब लोको पायलट घर नहीं लौटा तो पत्नी अनामिका ने फोन लगाने की कोशिश की। फोन बंद होने पर अनामिका ने अपने ससुर वीरेन्द्र कुमार को इसकी जानकारी दी। जब लोको पायलट के परिजन ने धर्मेन्द्र से संपर्क किया तो उसने बताया कि वह रात ढाई बजे उसने लोको पायलट जितेन्द्र को रेलवे स्टेशन में छोड़ दिया था। धर्मेन्द्र चौरसिया भी गढ़ीमलहरा रहने वाला है।

इनका कहना है

पवई पुलिस से सूचना मिली कि चांदा घाटी के पास से लोको पायलट का शव मिला है। घटना में मृतक के साथ कटनी में एक मित्र की अंतिम लोकेशन मिली थी जो कि संदिग्ध है। मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही खुलास होगा।

अरुणपाल सिंह, उपनिरीक्षक
थाना कोतवाली कटनी

पन्ना टाइगर रिजर्व में 3 बाघों ने किया महिला पर हमला, गांव के लोगों में दहशत

पन्ना

पन्ना टाइगर रिजर्व में हिनौता के पास सोमवार की सुबह तीन बाघ शावकों ने एक वृद्ध महिला का शिकार किया। बताया जाता है कि यह महिला गांव की ही चार अन्य महिलाओं के साथ हिनौता बफर जोन से लगे कोर एरिया में पशुओं के लिए चारा काटने गई थी। इसी दौरान वो बाघ-शावकों के हमले का शिकार हो गई। इधर वन अमले में मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्ना टाइगर रिजर्व के बफर जोन स्थित हिनौता में रहने वाली 58 वर्षीय फूला बाई साहू गांव की कुछ अन्य महिलाओं के साथ चारा काटने के लिए जंगल में गई थी। जिस जगह ये महिलाएं चारा काट रही थीं, उससे कुछ ही दूरी पर जंगल का कोर एरिया भी रहा। इसलिए वहां ग्रामीणों की आमदरफ्त होती रहती थी।

जब ये महिलाएं रोज की तरह सोमवार की सुबह करीब 10 बजे जंगल के अंदर पहुंचीं, तो उनमें से एक फूला बाई पर तीन बाघ शावकों ने हमला बोल दिया। फूला की मौत के बाद भी बाघ शावक उसके शव को यहां से वहां घसीटते रहे। काफी मशक्कत के वन अमला उन शावकों को महिला के शव से दूर कर पाया।

जिन बाघ शावकों ने वृद्धा पर हमला किया उनकी उम्र 22-22 महीने बताई जा रही है। ये तीनों हिनौता के आसपास कोर एरिया में सक्रिय बाघिन पी-243 के बच्चे हैं। सोमवार को हुई घटना के बाद पार्क प्रबंधन ने पर्यटकों की साइटिंग बंद कर पर्यटकों को पार्क से सुरक्षित बाहर निकालना प्रारंभ कर दिया।

साथ ही बाघ शावकों और उनकी मां पी-243 की ट्रेकिंग प्रारंभ कर दी है। बता दें कि जिस बफर जोन की यह घटना है, वहां करीब 10 गांव आते हैं, इस लिहाज से पार्क प्रबंधन ताजा घटनाक्रम को लेकर सकते में है। वन अमले के लिए चिंता की एक वजह यह भी है कि इस क्षेत्र में मानव पर बाघ के हमले की यह पहली घटना है। इधर ग्रामीणों में भी भय का माहौल व्याप्त है।

जीजा और साले का किया अपहरण, दी किडनी निकालने की धमकी, खुला किडनैपिंग का राज

मैहर। मैहर जिला पुलिस ने पन्ना जिले के अमांगज से तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है और इस घटना में लिप्त तीन मुख्य अरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। मैहर पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा करते हुए बताया कि जीजा और साले को जमीन देखने के लिए बुलाया गया। उसके बाद आरोपियों ने बंदूक कनपटी पर लगाकर अमरपाटन से अपहरण कर लिया। किडनैपर पीड़ित को लेकर पन्ना अमांगज के जंगल पहुंचे, जहां पीड़ित के पास पड़े कैश, क्रेडिट कार्ड सहित सभी समान लूट लिए और बंधक बनाकर रखा। सुबह मौका देख दोनों जीजा-साले वहां से भाग निकले और सीधा पुलिस थाना अमांगज पहुंचे और पूरे मामले पर खुलासा हुआ। घटना के बाद से पन्ना, सतना और मैहर तीन जिलों के पुलिस की नींद उड़ गई थी। घटना का खुलासा होने के बाद पीड़ित को थाना कोतवाली सतना लाया गया था। जहां से मैहर जिले के अमरपाटन भेजा गया। पीड़ित के शिकायत पर थाना अमरपाटन में मामला पंजीबद्ध हुआ और एसपी के निर्देश पर गठित टीम अलग-अलग जगह पर आरोपियों की तलाश में जुट गई। एसपी सुधीर अग्रवाल ने मामले पर बताया कि टीम यहा से पन्ना जंगल के लिए रवाना हुई। जहां घटना स्थल को भी देखा, जिसके बाद पीड़ित के बताए मुताबिक, साइबर सेल की मदद से आरोपी की तलाश की गई। उसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को अलग-अलग जगह से धर दबोचा और आरोपियों से पूछताछ की गई तो अपरहण करना स्वीकार किया है। हालांकि, इस घटना का मास्टर माइंड सहित दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। पकड़े गए आरोपियों में से एक अरोपी ग्राम लालपुर से पकड़ाया है, जिसने फ़र्ज़ी सिम देने का काम किया था। दूसरा अरोपी इस घटना ग्राहक बनकर साथ आया था। तीसरे आरोपी का किरदार बेहद चौकाने वाला है। तीसरा आरोपी अब्दुल उर्फ मेराज जो अपने साथियों को रास्ते में मिला, जिसकी पहचान कथित डॉक्टर के रूप में करवाई गई। पीड़ित ने बताया कि अब्दुल किडनी निकालने की बात कर रहा था और उसे करोड़ में बेचने की धमकी दे रहा था। हालांकि, अब तक तीन अरोपी को मैहर पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है और फरार चल रहे अन्य तीन आरोपियों को पतासाजी लगातार पुलिस द्वारा की जा रही है।

जंगली जानवर का शिकार कर मांस पकाते हुए आरोपी गिरफ्तार

पन्ना

पन्ना जिले के विश्रामगंज रेंज के धाम मोहल्ले में वन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए वन्यजीव का शिकार कर उसका मांस पकाते हुए आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। टीम ने मौके से वन्यजीव के अवशेष, पकाए जा रहे मांस, दो एयरगन और मांस काटने में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार भी जब्त किए हैं।

विश्रामगंज एसडीओ दिनेश गौर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि धाम मोहल्ले में एक युवक के घर में किसी वन्यजीव का मांस पकाया जा रहा है। सूचना के आधार पर तत्काल टीम गठित की गई और तड़के सुबह छापेमारी की गई। टीम को घर में शिकार के अवशेष, पकाए जा रहे मांस और शिकार में उपयोग किए गए औजार बरामद हुए।जब्त किए गए मांस और वन्यजीव के अवशेषों को जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शिकार किए गए जीव का प्रकार क्या था। वन विभाग ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

पन्ना टाइगर रिजर्व के चलते इस क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। टीम ने बताया कि वन्यजीवों का शिकार और उनके अंगों का उपयोग कानूनी अपराध है, और इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस छापेमारी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस प्रकार की गतिविधियों की जानकारी तुरंत दें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 30 दिसम्बर 2024 | 8

जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं।

एम.पी. ट्रांसको ने वर्ष-2024 में हॉसिल की ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां

रीवा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि वर्ष-2024 में ऊर्जा क्षेत्र में एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हॉसिल की है। एम.पी. ट्रांसको ने कैलेंडर वर्ष-2024 में प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) के अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, विस्तारीकरण एवं विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक नए आयाम स्थापित किए। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष एम.पी. ट्रांसको ने अपने नेटवर्क में 1729 एम.व्ही.ए. क्षमता की अतिरिक्त वृद्धि की। इससे प्रदेश में कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता बढ़कर 80 हजार 774 एमवीए की हो गई है। इस वर्ष 47 नये पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किये गये, जिससे एम.पी. ट्रांसको के ऊर्जीकृत पॉवर ट्रांसफार्मर की संख्या बढकर 1023 हो गई है। इसमें 400 के.व्ही. के 37,220 के.व्ही. के 215 एवं 132 के.व्ही. के 771 ट्रांसफॉर्मर क्रियाशील हैं। इस वर्ष मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन लाइनों की लंबाई बढ़कर 42133 सर्किट कि.मी. की हो गई है, जो प्रदेश के 416 अति उच्चदाब सब-स्टेशनों में विद्युत पारेषण करती है। इस वर्ष प्रदेश में 176 सर्किट किलोमीटर लाइनों का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया गया।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एम.पी. ट्रांसको के सिस्टम ने प्रदेश में पहली बार 18 हजार मेगावाट से ऊपर विद्युत डिमांड बिना किसी व्यवधान के हैंडल करने में सफलता प्राप्त की। 20 दिसम्बर 2024 को प्रदेश में आज तक की अधिकतम 18913 मेगावॉट डिमांड दर्ज की गई। इसी तरह प्रदेश में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एक दिन में 3368.56 लाख यूनिट विद्युत खपत की सफलतापूर्वक आपूर्ति करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। श्री तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश के अपने ट्रांसमिशन सिस्टम में नई तकनीकों का समावेश करते हुये सिस्टम को अपग्रेड किया। विभिन्न ट्रांसमिशन एलीमेंटस को एच.एम.आई. (हयूमन मशीन इंटरफेस) तकनीक से ऊर्जीकृत और नियंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश के पुराने तीन 132 के.व्ही. सब-स्टेशनों को रिमोट से संचालित करने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। 220 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन पेट्रोलिंग में मिली सफलता के बाद अब प्रदेश में 400 एवं 132 के.व्ही. के 23000 ट्रांसमिशन टॉवरों की ड्रोन पेट्रोलिंग भी की जा रही है। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने ट्रांसमिशन टॉवरों की पेट्रोलिंग ड्रोन के माध्यम से प्रारंभ की है। एम.पी. ट्रांसको ने अपने पेंशनर्स के लिये वेबसाइट के माध्यम से कई सुविधाएं ऑनलाइन करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। अब एम.पी. ट्रांसको के सेवानिवृत्त कार्मिक विश्व के किसी भी कोने से लाईफ सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं।

साथ ही वेबसाइट के माध्यम से ही अपने पेंशन स्लिप और अपने बैंक खातों में किये गये लेन-देन की जानकारी ली जा सकती है। 2024 में एम.पी. ट्रांसको ने ऑनलाइन वेबिनारों और नॉलेज शेयरिंग कार्यशालाओं से ट्रांसको के युवा इंजीनियरों को अपडेट करने का एक सफल अभियान चलाया। इसके कारण एम.पी. ट्रांसको के वर्क कल्चर में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव आया है।

उप मुख्यमंत्री ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

रीवा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हर माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11 बजे आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देश के विकास से जुड़े मुद्दों पर संदेश देते हैं। देश भर में इस कार्यक्रम को लाखों लोग सुनते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निज निवास पर स्थानीय जनों के साथ प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। श्री शुक्ल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को विश्वगुरू बनाने और विकसित करने का जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने के लिए हर दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हम सबको प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन और प्रेरणादायक उद्बोधन मिलता है। इससे जनहित के कार्यों को करने के लिए नई ऊर्जा प्राप्त होती है।

उप मुख्यमंत्री ने नैकहाई शौर्य स्मारक का किया निरीक्षण

रीवा। रीवा के बघेल राजवंश के कार्यकाल में रीवा राज्य में दुश्मनों के आक्रमण का बघेलखण्ड के सपूतों ने मुहतोड़ जवाब दिया। यहाँ के सेनानायकों और वीर सैनिकों की शौर्यगाथा चोरहटा में नैकहाई में लिखी गई। नैकहाई में वीरों की स्मृति में शौर्य स्मारक स्थापित किए गए हैं। इन शौर्य स्मारकों को सुरक्षित और संरक्षित रखने के कार्य का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सौन्दर्यीकरण के लिए स्वीकृत विभिन्न कार्यों को समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश देते हुए कहा कि नैकहाई स्मारक को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें। इसके बाउन्ड्रीवॉल और मेनगेट का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। परिसर में वीर शहीदों की छतरियों के जीर्णोद्धार के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। इसके निविदा की कार्यवाही पूरी करके कार्य शीघ्र शुरू कराएं जिससे 8 फरवरी को वीरों के बलिदान दिवस पर नैकहाई शौर्य स्मारक का विधिवत उद्घाटन किया जा सके। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास केन्द्र यूके तिवारी, कार्यपालन यंत्री औद्योगिक विकास निगम केके गर्ग तथा हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा के प्रतिभाशाली निशानेबाज यश पाण्डेय को किया सम्मानित

रीवा। रीवा के प्रतिभाशाली निशानेबाज यश पाण्डेय ने भोपाल में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। यश पाण्डेय ने 10 मीटर राइफल में रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश और रीवा का मान बढ़ाया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने यश पाण्डेय को निज निवास में सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य क्षेत्र में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हुए हैं। जिन्होंने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यश भी राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में राष्ट्रीय ही नहीं ओलम्पिक में पदक प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ देकर तथा मिठाई खिलाकर यश को सम्मानित किया और उत्साहवर्धन किया।

उप मुख्यमंत्री ने भैरवबाबा मंदिर के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

रीवा। रीवा जिले की गुढ़ तहसील के समीप भैरव बाबा का प्रसिद्ध मंदिर है। मंदिर परिसर में भैरव बाबा की जमीन पर लेटी हुई विशाल प्रतिमा है। मंदिर परिसर में चल रहे सौन्दर्यीकरण के कार्य का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जायजा लिया। श्री शुक्ल ने भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद शेड निर्माण सहित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को 31 जनवरी तक पूरा कराएं। भैरव बाबा मंदिर परिसर का पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जाएगा। सोलर पार्क और गुढ़ औद्योगिक विकास केन्द्र के बीच यह महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकता है। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता तथा अन्य जनप्रतिनिधि उनके साथ रहे।

जिले में 24 घंटे में हुई 10.9 मिलीमीटर वर्षा

रीवा। जिले में पिछले 24 घंटे में 10.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 25 मिमी वर्षा सिरमौर तहसील में दर्ज की गई। तहसील हुजूर में 13 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 9 मिमी, गुढ़ में 11 मिमी, त्योंथर में 12 मिमी, सेमरिया में 3 मिमी, मनगवां में 9 मिमी तथा जवा में 5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। यह वर्षा गेंहू और चने की फसल के लिए बहुत लाभदायक है। इन फसलों में पर्याप्त पानी मिलने से तेजी से वृद्धि होगी। मसूर, अलसी, मटर जैसी फसलों पर भी पानी का अच्छा असर रहेगा। इन फसलों में कीट व्याधि का प्रकोप हो सकता है। जिले में बड़ी संख्या में किसान फल और सब्जियों की खेती कर रहे हैं। उनके लिए भी यह वर्षा लाभदायक है।

आमजन को ठण्ड से बचाने के लिए उचित प्रबंध करें : कमिश्नर

रीवा। रीवा संभाग के सभी जिलों में पिछले 24 घंटों में अच्छी वर्षा हुई है। वर्षा के बाद तापमान में गिरावट आ रही है। मौसम विभाग द्वारा आगामी एक सप्ताह तक तापमान में गिरावट और शीतलहर का अनुमान लगाया गया है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को आमजनों को ठण्ड से बचाव के उचित प्रबंध के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि भारतीय मौसम विभाग की शीतलहर की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए आमजनों को ठण्ड से बचाव के लिए जागरूक करें। बेसहारा एवं खुले स्थानों में रात बिताने वाले व्यक्तियों को यथासंभव रैनबसेरों में सुरक्षित आवास दें। रैनबसेरों में पर्याप्त गर्म कपड़े, बिस्तर, कंबल आदि का प्रबंध करें।

कमिश्नर ने कहा है कि बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों, सब्जीमण्डी, अनाजमण्डी अस्पताल, बाजार एवं अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में अलाव की व्यवस्था करें। अलाव के लिए पर्याप्त लकड़ी उपलब्ध कराएं। कलेक्टर मौसम को ध्यान में रखकर आवश्यक होने पर स्कूलों के खुलने के समय में परिवर्तन करें। अधिक ठण्ड होने पर सुबह 9 बजे से पहले कोई स्कूल संचालित न करने दें। सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शीतजनित बीमारियों के उपचार के लिए अस्पतालों में उचित प्रबंध करें। शहर के रैनबसेरों तथा सार्वजनिक स्थलों में रहने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जाँच के लिए उपचार दल तैनात करें। कलेक्टर उप संचालक कृषि के माध्यम से किसानों को फसलों की सुरक्षा के संबंध में जागरूक करें।

नगर निगम के कृष्णा नगर में आज लगेगा शिविर

रीवा। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत रीवा नगर निगम क्षेत्र में जनकल्याण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि 30 दिसम्बर को वार्ड क्रमांक 43 के लिए प्रधानमंत्री आवास परिसर कृष्णा नगर में जनकल्याण शिविर लगाया जा रहा है। आमजनता से शिविर से लाभ उठाने की अपील की गई है।

नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक आज

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 30 दिसम्बर को आयोजित की जा रही है। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में प्रातः 11 बजे से आरंभ होगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में अब तक 16416 आवेदन पत्र हुए मंजूर

रीवा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में 15 दिसम्बर से प्रत्येक विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकाय के वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों पर मौके पर कार्यवाही करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में 15 दिसम्बर से 28 दिसम्बर तक आयोजित शिविरों में कुल 21095 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए। इनमें से 16416 आवेदन पत्र स्वीकार किए गए हैं। शेष 4379 आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग कारणों से 297 आवेदन पत्र अमान्य किए गए हैं।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक ग्रामीण क्षेत्र में कुल 18397 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 13930 मंजूर किए गए हैं। विकासखण्ड त्योंथर में 9887, रायपुर कर्चुलियान में 1397, रीवा में 1315, सिरमौर में 1356, गंगेव में 1220 तथा जवा में 3222 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए हैं। इनमें से विकासखण्ड त्योंथर में 9577, रायपुर कर्चुलियान में 827, रीवा में 508, सिरमौर में 478, गंगेव 951 तथा जवा में 1589 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शहरी क्षेत्र में कुल 2698 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 2486 मंजूर किए गए हैं। नगर निगम रीवा में 1768, नगर पंचायत सिरमौर में 15, गुढ़ में 189, मनगवां में 95, गोविंदगढ़ में 15, सेमरिया में 122, चाकघाट में 181, त्योंथर में 65, डभौरा में 137 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 111 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से नगर निगम रीवा में 1745, नगर पंचायत सिरमौर में 9, गुढ़ में 187, मनगवां में 95, गोविंदगढ़ में 13, सेमरिया में 100, त्योंथर में 49, डभौरा में 100, चाकघाट में 77 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 111 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शेष लंबित आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में आज 12 ग्राम पंचायतों में लगेंगे शिविर

रीवा

पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि 30 दिसम्बर को रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड में चौड़ियार और बदवार तथा अनुभाग हुजूर में तिघरा और गोड़हर में शिविर लगेंगे। अनुभाग जवा में ग्राम पंचायत तेंदुनी और कंचनपुर तथा अनुभाग मनगवां में बसेड़ा और पचपहरा में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह अनुभाग त्योंथर में ग्राम पंचायत को बरहट और कांकर तथा अनुभाग सिरमौर में गुहिया और तेंदुन में शिविर लगाये जायेंगे। आमजनता से इन शिविरों से लाभ उठाने की अपील की गई है।

शासन के निर्देशों के अनुसार तीन दिन नहीं होगी धान की खरीदी

रीवा। जिले भर में 95 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। शनिवार और रविवार के अवकाशों में धान का उपार्जन नहीं होता है। इन दिवसों में उपार्जित धान के परिवहन और भण्डारण की व्यवस्था की जाती है। खरीदी केन्द्रों में भारी मात्रा में धान उपार्जित होने से शासन द्वारा 30 दिसम्बर, 31 दिसम्बर और एक जनवरी को किसानों से खरीदी केन्द्रों में धान की खरीद न करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि इन अवकाश के दिनों में उपार्जित धान के सुरक्षित भण्डारण की व्यवस्था की जाएगी। रीवा जिले के खरीदी केन्द्रों में अब दो जनवरी से किसानों से धान ली जाएगी। शासन के निर्देशों के अनुसार धान खरीदी में तीन दिवस का अंतर रखा गया है। किसानों को एसएमएस में माध्यम से इसकी सूचना दी जा रही है। शासन द्वारा धान खरीदी की अंतिम तिथि भी 20 जनवरी से बढ़ाकर 23 जनवरी कर दी गयी है। जिन किसानों के स्लॉट धान विक्रय के लिए बुक थे, उसकी अवधि 5 दिन बढ़ा दी गयी है। उन्हें पुनः स्लॉट बुक करने की जरूरत नहीं है। अपर कलेक्टर ने कहा है कि गत 24 घंटे की वर्षा से यदि किसी खरीदी केन्द्र में धान को हानि हुई है तो एसडीएम तत्काल आंकलन कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम अतिरिक्त वाहन तैनात कर खरीदी केन्द्रों से उपार्जित धान का तत्काल परिवहन कराएं। सभी समिति प्रबंधक खरीदी केन्द्रों में धान को सुरक्षित रखने के उचित प्रबंध करें।

जनकल्याण शिविर में आमजनता के आवेदनों में हो रही कार्यवाही

रीवा। जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। साथ ही आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। जिले के सभी विकासखण्डों में शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि रायपुर कर्चुलियान की ग्राम पंचायत हर्दी नम्बर एक में लगाए गए शिविर में 178 आवेदन पत्र

प्राप्त हुए। इनमें संबल योजना, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्य विभाग तथा आयुष्मान योजना के आवेदन पत्र दर्ज किए गए। इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र दर्ज कराकर उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। जनपद पंचायत सिरमौर में ग्राम पंचायत बेढ़ौआ तथा ग्राम पंचायत करौंदी में भी शिविर लगाए गए। जनपद पंचायत रीवा में ग्राम पंचायत कचूर, गढ़वा तथा नौवस्ता में शिविर लगाए गए। विकासखण्ड गंगेव में ग्राम पंचायत जोरौट में आयोजित शिविर में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल साइनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- महिला चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य कियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833